शर्मा शॉर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 101 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 13 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश में पुलिस ने 150 ब्लॉगर पर कसा शिकंजा पेज 2

असम में औद्योगिक इकाइयों को मिलेगी 500 करोड़ रुपए की सब्सिडी... पेज 3

विधानसभा के कानून के बिना चल रहा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पेज 5

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिए केएल राहुल हो सकते हैं पलही पसंद... पेज 7

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

सुप्रभात

अगर कोई पाप हैं.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना हैं।

- **स्वामी विवेकानंद**

असम में 2027 की मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित

मतदाताओं की संख्या में 2.18 लाख की वृद्धि



गुवाहाटी (हि.स.)। असम में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर)-2027 के तहत फोटोयुक्त मतदाता सूची का मसौदा गुरुवार को राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रकाशित कर दिया गया। इस पुनरीक्षण के लिए 1 जनवरी, 2027 को अर्हता तिथि निर्धारित किया गया है। मसौदा मतदाता सूची के अनुसार, असम में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 2,51,76,910 हो गई है। इनमें 1,25,87,650 पुरुष, 1,25,88,939 महिलाएं और 321 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। इससे पहले 10 फरवरी, 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कुल 2,49,58,139 मतदाता दर्ज थे। निरंतर पुनरीक्षण की अवधि के दौरान 4,12,344 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि 1,93,573 नाम हटाए गए। इस प्रकार मतदाताओं की कुल संख्या में 2,18,771 की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई। मसौदा सूची में 2,05,962 दिव्यांग मतदाता, 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 2,87,233 युवा मतदाता तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,22,198 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा सूची में 63,237 सेवा मतदाता और छह प्रवासी मतदाता भी दर्ज हैं। राज्य में कुल 31,516 मतदान केंद्र हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसतन 799 मतदाता दर्ज किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्रों में 51-धालगांव में सर्वाधिक 3,25,746 मतदाता हैं, जबकि 112-अमरी (एसटी) में सबसे कम 1,01,509 मतदाता दर्ज किए गए हैं। मतदान केंद्रों की संख्या के लिहाज से 11-मानकाचर 402 केंद्रों के साथ शीर्ष पर है, जबकि 2-दोतमा (एसटी) में सबसे कम 147 मतदान केंद्र हैं। मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। अब निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया चलेगी। निर्वाचन कार्यालय ने सभी पात्र नागरिकों से मसौदा सूची में अपना नाम और अन्य विवरण जांचने की अपील की है। नाम जोड़ने, हटाने अथवा विवरण में सुधार के लिए 12 नवंबर से *-शेष पृष्ठ दो पर*

मेघालय में वांगला महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री शर्मा



गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा गुरुवार को मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले के गारो हेरिटेज विलेज में आयोजित गारो समुदाय के प्रसिद्ध वांगला महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने गारो समुदाय के पारंपरिक नृत्यों का आनंद लिया और पारंपरिक तरीके से चावल की मदिरा तैयार करने की विधि की भी सराहना की। गारो समुदाय का प्रमुख फसल उत्सव वांगला महोत्सव अच्छी फसल के लिए परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक है। इसे लोकप्रिय रूप से *100 ड्रम महोत्सव* के नाम से भी जाना जाता है। स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर कलाकारों ने मुख्यमंत्री के सामने 1,000 ढोलों के साथ भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। चार दिवसीय यह महोत्सव 11 से 14 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने वांगला को भारत की जनजातीय विरासत की विविधता और जीवंत परंपराओं का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव गारो समुदाय के प्रकृति के साथ गहरे संबंध, *-शेष पृष्ठ दो पर*

व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी एक की मौत

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस से लगभग एक मील दूर वाशिंगटन डीसी के लोगन सर्कल इलाके में पांच लोगों को गोली मार दी गई, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार सुबह वाशिंगटन डीसी के इस इलाके में भारी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंचे। अधिकारियों ने बताया था कि एक हमलावर एक इमारत के अंदर छिपा हुआ है। पुलिस प्रवक्ता निकोल डीनर ने कहा कि हमलावर को अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है और गोलीबारी की सटीक जगह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इलाके में कई जगहों पर कार्रवाई कर रही थी, जिसमें 15वें स्ट्रीट एनडब्ल्यू का 1500 ब्लॉक भी शामिल है। वहां अधिकारियों ने दुकानों, एक चर्च और रिहायशी इमारतों की घेराबंदी कर दी थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट (एमपीडी) ने लोगों से इस इलाके से दूर रहने की अपील की, जबकि पुलिसकर्मी वहां कार्रवाई में जुटे थे। खबरों के अनुसार, पुलिस ने तुरंत यह नहीं बताया कि गोली लगने वाले पांच लोग कौन हैं या उनकी हालत कैसी है, उन्हें ठीक किस जगह गोली मारी गई, या इस हिंसा की वजह क्या थी। रयान डुबिकी नाम के एक चश्मदीद, जो सुबह करीब 8 बजे अपने पास के *-शेष पृष्ठ दो पर*

किश्तवाड़ के जंगल में लापता दो एसपीओ मृत मिले

किश्तवाड़ (हि.स.)। किश्तवाड़ जिले के दच्छन इलाके से लापता जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) गुरुवार को मृत पाए गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन दोनों को मरवाह के धरना में रोटेशन ड्यूटी पर तैनात किया गया था लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे और बाद में लापता हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों का पता लगाने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया।

गुवाहाटी और कामरूप में पेट्रोल पंप हड़ताल

मेघालय के पंपों पर असम के वाहनों की लंबी कतारें



गुवाहाटी (हि.स.)। असम के पंजीकरण नंबर वाले वाहनों की पड़ोसी राज्य मेघालय के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। गुवाहाटी और कामरूप जिले में पेट्रोल पंपों के अस्थायी रूप से बंद रहने के कारण बड़ी संख्या में वाहन चालक ईंधन भरवाने के लिए मेघालय पहुंचे । मेघालय के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर असम के नंबर प्लेट वाले वाहनों की भीड़ जुटने से लंबी कतारें देखी गई। पेट्रोल पंपों के बंद रहने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का भी सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि कामरूप (मेट्रो) और कामरूप (ग्रामीण) जिलों में *-शेष पृष्ठ दो पर*

अरुणाचल के गांव में लगी आग एक ही परिवार के चार की मौत

मुख्यमंत्री खांडू ने हादसे पर जताया दुख



ईटानगर (हि.स.)। भारत-चीन सीमा के पास अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले के पारसी पारलो गांव में गुरुवार तड़के लगी भयावह आग में एक ही परिवार के तीन बच्चों और एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना में कम से कम 24 घर और दुकन जलकर राख हो गए।कुरुंग कुमे जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार आग सुबह करीब 2 बजे के आसपास लगी। देखते ही देखते आग तेजी से कई घरों में फैल गई। इससे रिहायशी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। हादसे में 19 घर पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गए हैं, *-शेष पृष्ठ दो पर*

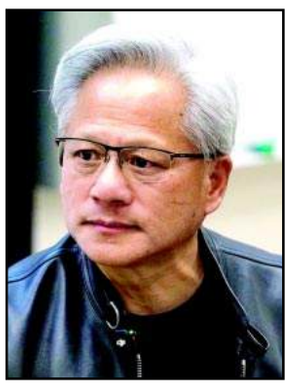
75वें कार्बी आंग्लांग दिवस - प्लेटिनम जुबली समारोह

कार्बी लोक नृत्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे 15,000 प्रतिभागी



डिफू। कार्बी आंग्लांग एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक नजारे का गवाह बनने जा रहा है। 75वें कार्बी आंग्लांग दिवस - प्लेटिनम जुबली समारोह 2026 के हिस्से के रूप में, 16 नवंबर को डिफू के केएएसए स्टेडियम में 15,000 प्रतिभागी एक साथ आकर सबसे बड़े कार्बी लोक नृत्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) द्वारा 15 से 17 नवंबर तक डिफू के तारालांगसो स्थित *कार्बी पीपल्स हॉल* में आयोजित होने वाला यह तीन दिवसीय उत्सव *टुगेदर टू द फ्यूचर* (भविष्य की ओर एक साथ) थीम पर आधारित होगा। यह कार्बी आंग्लांग के गठन के 75 वर्षों का जश्न है। लोक नृत्य की यह अभूतपूर्व प्रस्तुति प्लेटिनम जुबली का मुख्य आकर्षण होगी, जो कार्बी लोगों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत, सामूहिक पहचान और एकता को एक विशाल स्तर पर प्रदर्शित करेगी। इस उत्सव के दौरान 13 से 16 नवंबर तक खेल, साहित्य, बौद्धिक और मनोरंजन से जुड़ी कई प्रतियोगिताएं आयोजित *-शेष पृष्ठ दो पर*

जेन्सेन हुआंग ने एनवीडीया के सीईओ पद से दिया इस्तीफा



वाशिंगटन। जेन्सेन हुआंग ने तत्काल प्रभाव से एनवीडीया के सीईओ, प्रेसिडेंट और बोर्ड मेंबर के पदों से इस्तीफा दे दिया है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की कॉन्ट्रोवर्सी में फंसने के बाद जेन्सेन हुआंग ने इस्तीफा दिया है। जेन्सेन हुआंग के अफेयर के बारे में पता चलने के बाद वे राष्ट्रीय सुरक्षा जांच के घेरे में फंस गए, क्योंकि उनका नाम चीन की जासूस एलिस हुआंग के साथ सामने आया। जेन्सेन हुआंग के इस्तीफे से पहले ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे किसी भी वक्त अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं और आज गुरुवार को उन्होंने सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया है। एनवीडीया के पूर्व सीईओ जेन्सेन हुआंग की चीन की जासूस एलिस हुआंग के *-शेष पृष्ठ दो पर*

मुंबई में छठ पूजा पर सियासी रार

कृत्रिम तालाब और गानों पर उद्धव और राज ठाकरे की पार्टी ने जताई आपत्ति



मुंबई। मुंबई में छठ पूजा के आयोजन को लेकर एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों की मांग है कि समुद्र तटों और नदियों के किनारों पर होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए, इस त्योहार का आयोजन कृत्रिम तालाबों में किया जाना चाहिए। इसके अलावा, वडाला रेलवे स्टेशन पर भोजपुरी गाने बजाने को लेकर भी विवाद गहरा गया है। यूबीटी शिवसेना ने रेलवे अधिकारियों से शिकायत की है और चेतावनी दी है कि अगर ऐसा करना जारी रहा, तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। यूबीटी शिवसेना का तर्क है कि रेलवे स्टेशनों पर तेज आवाज में भोजपुरी गाने बजाने से यात्रियों को परेशानी होती है, और महाराष्ट्र में इसे बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। वहीं, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस), कांग्रेस और यूबीटी *-शेष पृष्ठ दो पर*

ब्रुकलिन में इमारत ढही, आठ की मौत, 19 घायल

न्यूयॉर्क (हि.स.)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन स्थित फ्लैटबुश इलाके में बुधवार रात को एक इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन दमकलकर्मी भी शामिल हैं। मेयर जोहरान ममदानी ने गुरुवार सुबह हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि इतने बड़े नुकसान पर शब्द कम पड़ जाते हैं। ममदानी के मुताबिक, मलबे में किसी के दबे होने की आशंका को देखते हुए बचाव दल ने खतरनाक *-शेष पृष्ठ दो पर*

अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी, सात करोड़ रुपए की मांगी रंगदारी



मोहाली (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए सात करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विधायक जरनैल सिंह ने मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके अलावा उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। विधायक की शिकायत के अनुसार फोन करने वाले व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपए देने की मांग की। उसने धमकी दी कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वह *-शेष पृष्ठ दो पर*

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर चला बुलडोजर



कोलकाता (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर के बाहर गुरुवार सुबह कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने बड़ी कार्रवाई की। सांसद के घर (121, कालीघाट रोड) के बाहर फुटपाथ पर बांस से बने अस्थायी ढांचे (शेड) को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इस ढांचे के साथ ही सांसद के घर की चहारदीवारी के मुख्य द्वार के बाहर फुटपाथ घेरकर लगाए गए एक लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया गया। आरोप है कि यह गेट अवैध रूप से फुटपाथ पर कब्जा करके लगाया गया था। अवैध निर्माण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के विरोध या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति से निपटने के लिए सांसद के घर के बाहर *-शेष पृष्ठ दो पर*

मीडिया से प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान

2047 तक विकसित भारत बनाने में निभाएं अहम भूमिका



नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मीडिया जगत से भारत की उपलब्धियों और देशवासियों की सफलता की कहानियों को प्रमुखता से सामने लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं बल्कि पूरे देश का संकल्प है। इस अभियान में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। यहां भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को पत्रकारों के लिए आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को शुभकामनाएं दी और *नॉन-ब्रेकिंग न्यूज* कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनसुख मांडविया, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित कई नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकारों के व्यस्त कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि त्योहारों के समय हर व्यक्ति अपने परिवार और अपनों के साथ समय बिताना चाहता है लेकिन पत्रकार ब्रेकिंग न्यूज की तलाश में लगातार भागदौड़ करते रहते हैं। इसके बावजूद कार्यक्रम में पहुंचे सभी पत्रकारों का उन्होंने आभार जताया। उन्होंने मीडिया के साथ अपने पुराने संबंधों को याद *-शेष पृष्ठ दो पर*

दिल्ली का एक्यूआई *बेहद गंभीर* श्रेणी में दर्ज



नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जो *बेहद खराब* श्रेणी में माना जाता है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी होने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार राजधानी के अलावा एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा की गुणवत्ता खराब रही। गाजियाबाद में एक्यूआई 297, नोएडा में 291 और ग्रेटर नोएडा में 257 दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छाया रहने के आसार हैं। 13 नवंबर को अधिकतम *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

ढकुवाखाना में भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौके पर मौत

लखीमपुर (हिंस)। असम के ढकुवाखाना में हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि, मतमरा तटबंध पर तेज रफ्तार मारुति ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि कार में सवार दो युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मरनई बेबेजिया माझगांव निवासी दुर्लभ बरुवा और बिचित्र बोरा के रूप में हुई है। दुर्घटना में घायल तीन अन्य लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। दुर्घटना के कारणों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। उधर असम में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए धिंग पुलिस ने एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान महिबुर रहमान के रूप में हुई है।

भारत को बदनाम करने की चीनी साजिश का पर्दाफाश

बांग्लादेश में पुलिस ने 150 व्लॉगर पर कसा शिकंजा

ढाका। बांग्लादेश ने ढाका के गरीब इलाकों की रिकॉर्डिंग कर उन्हें भारतीय दृश्य बताकर पेश करने के आरोपी चीनी नागरिकों के खिलाफ बांग्लादेश द्वारा निगरानी बढ़ाए जाने के बाद उन्होंने इस तरह की गतिविधियां संभवत: कम कर दी है। भारत ने बांग्लादेश के समक्ष इस बात को लेकर चिंता जताई थी कि उसे बदनाम करने के लिए बांग्लादेश की जमीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने निगरानी बढ़ा दी और अब आरोपी चीनी नागरिकों की गतिविधियों में कमी आई है। एक अखबार की गुरुवार की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरा पश्चिम के थाना प्रभारी अधिकारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों के हस्तक्षेप के बाद चीनी व्लॉगर की गतिविधियां कम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने इन चीनी नागरिकों पर निगरानी बढ़ा दी है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखना शुरू कर दिया है। बांग्लादेशी मीडिया की खबरों के अनुसार, करीब 150 चीनी नागरिक ढाका के टेकपारा और उत्तरा इलाकों में सक्रिय थे। वे संकरी गलियों और कम आय वाले लोगों की बस्तियों के वीडियो बनाकर चीनी सोशल मीडिया पर उनका सीधा प्रसारण कर रहे थे। वे इन इलाकों को नई दिल्ली के इलाकों के रूप में पेश करते थे और वहां के निवासियों की जीवनशैली के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करते थे। इन *व्लॉगर* ने लोगों के घरों और उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों को फिल्माया। कई बार तो वे लोगों के घरों के अंदर तक घुस जाते थे जबकि वहां रहने वालों को यह भी नहीं पता होता था कि यह फुटेज कहां अपलोड की जा रही है या उन्हें किस तरह से दिखाया जा रहा है। आशंका है कि यह सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा था। खबर में कहा गया कि उनकी गतिविधियों पर पुलिस की कोई निगरानी नहीं थी। हर दिन 100 से अधिक व्लॉगर इस तरह के वीडियो बना रहे थे। वे इस काम के लिए बांग्लादेशी नागरिकों को पैसे भी देते थे। भारत के विदेश मंत्रालय ने 10 नवंबर को भारत को बदनाम करने के लिए *झूठे विमर्श* फैलाने वाले चीनी व्लॉगर के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की थी।

अमिताभ बच्चन के घर, एयरपोर्ट और मेयर ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में मचा हड़कंप

मुंबई। फिल्म नगरी मुंबई को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक समाचार एजेंसी का कहना है कि मुंबई में मेयर ऑफिस के अलावा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एक्टर अमिताभ बच्चन के आवास जलसा समेत कई जगहों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया और शहर में सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है। धमकी भरे ईमेल में मेयर ऑफिस, अमिताभ बच्चन के घर और छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा बैंक, कोर्ट, महालक्ष्मी रेसकोर्स और को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी मिलने के बाद, चूंकि इसमें महानगरपालिका (बीएमसी) का भी जिक्र था, इसलिए नगरपालिका की सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट कर दिया गया है। हालांकि मामले की जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। फिल्म एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग के बाद मुंबई को लगातार धमकी मिल रही है। इस नई धमकी के बाद शहर में दहशत का माहौल है। पिछले कुछ दिनों से मेयर ऑफिस को भी बम से उड़ाने की धमकी दी जा रही है। इस तरह की धमकी भरे कुछ ईमेल लगातार भेजे जा रहे हैं। इससे करीब दो हफ्ते पहले भी ऐसा ही एक ईमेल आया था। उसके बाद आज फिर ऐसा ही धमकी भरा ईमेल आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस ईमेल में एक-दो नहीं बल्कि कुल 5 जगहों को निशाना बनाने की बात कही गई है। इनमें मुंबई मेयर ऑफिस, एक बैंक, एक कोर्ट, अमिताभ बच्चन का बंगला, महालक्ष्मी रेसकोर्स और छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। मुंबई में धमकी भरा यह तीसरा ईमेल है। आज तीसरी बार धमकी भरा ईमेल आया है। इसलिए, धमकी के बाद शहर में अलर्ट घोषित कर दिया गया है और सुरक्षा प्रणालियां भी सतर्क हो गई हैं। यह ईमेल आज सुबह 10:12 बजे मिला। धमकी मिलने के बाद मेयर ऑफिस की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते द्वारा ऑफिस का तत्काल निरीक्षण किया गया, लेकिन कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फिलहाल ऑफिस में सामान्य तरीके से कामकाज चल रहा है, लेकिन ईमेल में संदेश लिखा है कि खालिस्तान बोलेगा, मुंबई जिंदाबाद। इसलिए, अब सुरक्षा तंत्र मुंबई नगर निगम ऑफिस की जांच और निरीक्षण के लिए सतर्क है।

गुवाहाटी में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, बैंक खातों से करते थे ठगी

गुवाहाटी (हिंस) । गुवाहाटी में पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शमनुर रहमान और शुभम शाह के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को पंजाबारी स्थित आईडीबीआई बैंक की शाखा से गिरफ्तार किया। बताया गया है कि शमनुर रहमान अपना बैंक खाता दोबारा चालू कराने के लिए बैंक पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोप है कि दोनों बैंक खातों के माध्यम से ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस दोनों से पूछताछ कर साइबर ठगी के इस मामले में उनकी भूमिका और अन्य संभावित संलिप्त लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रख्यात फिल्मकार एवं चित्रकार पुलक गोगोई को पुण्यतिथि पर किया नमन

गुवाहाटी (हिंस) । असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को प्रख्यात असमिया फिल्मकार, चित्रकार एवं कलाकार पुलक गोगोई की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने असमिया सिनेमा और चित्रकला के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनात्मक प्रतिभा ने राज्य की कला एवं सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि पुलक गोगोई ने अपनी विशिष्ट रचनात्मकता के माध्यम से असमिया फिल्म और चित्रकला जगत में विशेष स्थान बनाया था। उन्होंने अपनी फिल्मों और चित्रों के जरिए असम के सामाजिक जीवन, आम लोगों की भावनाओं तथा जीवन के विभिन्न पहलुओं को बेहद संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि गोगोई की विशिष्ट कलात्मक दृष्टि और रचनात्मक योगदान असमिया समाज के लिए हमेशा स्मरणीय रहेंगे। उनकी कला और कलाकार के रूप में उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

नगालैंड से पत्थर आयात की अनुमति की मांग को लेकर शिवसागर में प्रदर्शन

शिवसागर (हिंस) । शिवसागर जिले में नगालैंड से पत्थर आयात करने की अनुमति देने की मांग को लेकर गुरुवार को सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में श्रमिकों, वाहन चालकों और छोटे कारोबारियों ने एकजुट होकर हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने पत्थरों के परिवहन के लिए आवश्यक सड़क अनुमति (रोड परमिशन) जारी करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नगालैंड से पत्थरों की आपूर्ति और परिवहन बंद होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क परिवहन की अनुमति देने की मांग की, ताकि नगालैंड से पत्थरों की आपूर्ति दोबारा शुरू हो सके और इससे जुड़े लोगों की आजीविका बहाल हो सके।

पृष्ठ एक का शेष

असम में 2027 की मतदाता ...

11 दिसंबर, 2026 तक दावे और आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकती हैं। निर्वाचन सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी, 2027 को निर्धारित किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम के कार्यालय ने राजनीतिक दलों, विभिन्न हितधारकों और मतदाताओं से पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है, ताकि सटीक, समावेशी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। उधर आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने असम में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लागू करने का आह्वान किया है और एक सटीक और त्रुटि रहित मतदाता सूची की आवश्यकता पर जोर दिया है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की नगांव जिला इकाई के 25वें सम्मेलन में बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि सही मतदाता सूची तैयार करने के लिए अद्यतन राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) आवश्यक है। उन्होंने मानव-हाथी संघर्ष से निपटने के लिए वन क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। शर्मा ने ये टिप्पणियां नगांव में आसू की पुरानिगुडम क्षेत्रीय इकाई के आतिथ्य सत्कार में आयोजित सम्मेलन के खुले सत्र में भाग लेते हुए कीं। आसू के महासचिव समीरन फुकन और वित्त सचिव गौरी शंकर कलिता भी खुले सत्र में शामिल हुए।

मेघालय में वांगला महोत्सव...

परमात्मा के प्रति अटूट आस्था और जीवन के प्रति कृतज्ञता की भावना को दर्शाता है। महोत्सव के इतिहास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी औपचारिक शुरुआत वर्ष 1975 में तुरा के चांदमारी खेल मैदान में केवल 10 ढोलों के साथ हुई थी। मेघालय के तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन विलियमसन ए. सांग्मा के सुझाव पर इसे 100 ढोलों तक विस्तारित किया गया। उन्होंने ह्यूबर्ट कॉक्सी सांग्मा और प्रबीर रक्सम जैसे अग्रदूतों के योगदान को भी याद किया, जिनके प्रयासों से यह आयोजन 1,000 ढोलों और 2,000 नर्तकों वाले भव्य सांस्कृतिक उत्सव में बदल गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि वांगला महोत्सव भारत की ज्ञान परंपरा और सभ्यतागत विरासत का अनमोल प्रतिबिंब है। भारतीय ज्ञान परंपरा केवल प्राचीन ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पारंपरिक मान्यताएं, स्थानीय ज्ञान और प्रकृति के साथ मानव जीवन के गहरे संबंध भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय त्योहारों को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम या पर्यटन आकर्षण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इन्हें ज्ञान और परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनजातीय विरासत और समुदायों के योगदान को नई पहचान मिली है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन इसी प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने स्वदेशी आस्था और संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए एक अलग विभाग की स्थापना की है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपनी मातृभाषा, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा, तकनीक और रोजगार के नए अवसरों को अपनाने के साथ-साथ अपनी जड़ों से जुड़े रहना भी जरूरी है। असम और मेघालय के संबंधों का उल्लेख करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच संबंध भौगोलिक सीमाओं से परे साझा इतिहास, संस्कृति और भावनाओं पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि वांगला महोत्सव दोनों राज्यों की साझा विरासत का उत्सव मनाने का एक शानदार अवसर है। ऐसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान से दोनों राज्यों के लोगों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर मेघालय सरकार, आयोजन समिति और पूरे गारो समुदाय को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वांगला महोत्सव का कृतज्ञता, सद्भाव और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर मेघालय के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री टिमोथी डी. शिरा, वांगला महोत्सव समिति के अध्यक्ष रोनाल्ड रेकमैन सांग्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मेघालय के पंपों पर ...

12 नवंबर की सुबह 6 बजे से 24 घंटे के लिए पेट्रोल पंप बंद की घोषणा की गई है। पेट्रोलियम डीलरों ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा कथित उत्पीड़न और मनमाने फैसलों के खिलाफ राज्यव्यापी *ना खरीदेंगे, ना बेचेंगे* विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। नॉर्थ ईस्ट इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (एनईआईपीडीए) की गुवाहाटी शाखा द्वारा बुलाए गए इस बंद का असर 13 नवंबर की सुबह 6 बजे तक रहेगा। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्याएं हल नहीं होती हैं, तो 23 नवंबर से अनिश्चितकालीन बंद शुरू किया जा सकता है। पेट्रोलियम डीलरों ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन सहित अन्य तेल कंपनियों (ओएमसी) पर आरोप लगाया है कि वे मनमानी कर रही हैं, ईंधन की सप्लाई रोकने की धमकी दे रही हैं और बिना किसी उचित प्रक्रिया का पालन किए या डीलरों को अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना मनमाने फैसले ले रही हैं। एसोसिएशन की मुख्य शिकायतों में ये बातें शामिल हैं: कथित नियमों के उल्लंघन के नाम पर पेट्रोल और डीजल की सप्लाई रोकने की धमकी देना, बिना किसी पूर्व सूचना के टैंक-ट्रक कंसोर्टियम व्यवस्था को रद्द करना, और डीलरों पर अतिरिक्त उत्पाद (खासकर लुब्रिकेंट्स) खरीदने का दबाव डालना। एनईआईपीडीए ने यह भी आरोप लगाया है कि ईंधन लोड करने की सुविधाओं को रोक दिया गया है। साथ ही, बकाया भुगतान और वित्तीय नुकसान की चिंताओं के बावजूद डीलरों को पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) मशीनें लगाने के लिए मजबूर किया गया है। एसोसिएशन ने तेल कंपनियों पर यह आरोप भी लगाया है कि वे डीलरों के एसएपी खातों से मनमाने ढंग से पैसे काट रही हैं। इसके अलावा, मंजूर की गई सब्सिडी और *लीगल मेट्रोलॉजी डिपार्टमेंट* (कानूनी माप-तौल विभाग) की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए गए भुगतानों को वापस करने में भी देरी की जा रही है। एनईआईपीडीए ने आरोप लगाया कि तेल विपणन कंपनियां अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रही हैं और डीलरों को अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना उन्हें परेशान कर रही हैं। उन्होंने उन उत्पादों को जबरन बेचने के मुद्दे पर भी चिंता जताई, जिन्हें ग्राहक खरीदना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्पाद रिटेल आउटलेट्स पर ही पड़े रहते हैं, जिससे जगह घिरती है और भारी वित्तीय नुकसान होता है। एसोसिएशन ने मांग की है कि रद्द किए गए समझौतों को बहाल किया जाए, मनमाने ढंग से की गई कटौतियों को वापस लिया जाए, बकाया भुगतान किया जाए और लुब्रिकेंट्स की जबरन बिक्री को बंद किया जाए। एनईआईपीडीए ने चेतावनी दी है कि अगर इन समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो 23 नवंबर से अनिश्चितकालीन बंद शुरू हो सकता है, जिससे पूरे असम में पेट्रोलियम की सप्लाई बाधित हो सकती है।

अरुणाचल के गांव में ...

जबकि 5 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। आशंका है कि आग रसोईघर से शुरू हुई थी। इस अग्निकांड में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हुई है, जिसमें डोंगडा यानु (महिला) मां, डोंगडा करसांग (नाबालिग) पुत्र, डोंगडा माजी (नाबालिग) पुत्र और डोंगडा अमजी (नाबालिग) पुत्री हैं। इस हादसे में डोंगडा ताजी (पुरुष) पिता भी झुलस गए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पारसी पारलो गांव में कोई फायर स्टेशन नहीं है। कोलोरियांग में तैनात दमकल गाड़ी अपनी खराब हालत के कारण समय पर प्रभावित इलाके तक नहीं पहुंच सकी। आग बुझाने के लिए तत्काल मदद न मिल पाने के कारण आग पर काबू पाने के प्रयासों में बाधा आई। इस बीच, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुरुंग कुमे जिले के पारसी पारलो सर्कल में हुई इस भीषण आग की घटना पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की मौत और परिवार के सदस्यों के लापता होने की खबरें इस त्रासदी को और भी दिल दहला देने वाली हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित सभी लोगों को हिम्मत और हौसला मिले। खांडू ने इस त्रासदी के समय मदद के लिए आगे आने वाले स्थानीय प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग, आपातकालीन कर्मियों, स्वयंसेवकों और स्थानीय निवासियों का भी दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि वे प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। ऑल निशी यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष जाम्रू रुजा ने भी इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। इस घटना को दिल दहला देने वाला बताते हुए रुजा ने कहा कि इस कठिन समय में संगठन पारसी पारलो के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि हम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ पूरी एकजुटता दिखाते हैं। रुजा ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह तुरंत हर संभव सहायता और राहत प्रदान करे। संबंधित विभाग और जिला प्रशासन ने राहत प्रदान करना शुरू कर दिया है।

कार्बी लोक नृत्य के ...

की जाएंगी, जिनमें बैडमिंटन, वाद-विवाद, क्विज, पेंटिंग और अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत 15 नवंबर को तारालांगसो, कार्बी पीपल्स हॉल के *रंगसिना सरपो अहोंगजई* में *खोरसिंग तेरंग सांस्कृतिक संध्या* के साथ होगी। स्थानीय बैंड की प्रस्तुतियों के बाद, शाम को प्रसिद्ध रॉक बैंड *गिरीश एंड द क्रॉनिकल्स* और *मेग एंड द मिरेकल्स* का शानदार संगीत कार्यक्रम होगा। 16 नवंबर को *सेमसन सिंग इंगती सांस्कृतिक संध्या* का आयोजन होगा, जिसमें शाम 5 बजे मुंबई की मशहूर और ग्रैमी के लिए नामांकित बॉलीवुड गायिका शिल्पा राव का लाइव संगीत प्रदर्शन होगा। इसी दिन डिफू के केएएसए स्टेडियम में सबसे बड़े कार्बी लोक नृत्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का भव्य प्रयास भी किया जाएगा, जिसमें 15,000 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। 17 नवंबर को मुख्य समारोह की शुरुआत सुबह 5 बजे एक ओपन मैराथन से होगी। इसके बाद, सुबह 8 बजे सीईएम के होंगफार्ला, तारालांगसो में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और सुबह 8:30 बजे कार्बी आंग्लांग के संस्थापक नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस दिन के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में तारालांगसो के सर्टालिन ऑडिटोरियम में माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत सहायक शिक्षकों (कला और विज्ञान) को नियुक्ति पत्र सौंपना और लांगवोकु में सैनिक स्कूल की आधारशिला रखना शामिल है। 75वें कार्बी आंग्लांग दिवस का ओपन सेशन सुबह 11 बजे तारालांगसो स्थित कार्बी पीपल्स हॉल, रंगसिना सरपो अहोंगजई में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र की अध्यक्षता केएएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) और 111-रोंगखांग (एसटी) एलएसी के विधायक डॉ. तुलिराम रोंगहांग करेंगे। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि लोकसभा (डिफू-एसटी) के सांसद अमरसिंह तिसो *गेस्ट ऑफ ऑनर* (विशिष्ट अतिथि) के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष राजू तिसो, उपाध्यक्ष अभिजीत क्रो, लॉन्गसिंग रोंगहांग, कार्बी रिचो, रोंग अराक रोंगहांग रोंगबोंग, उपाध्यक्ष डॉ. हैबे टेरोन, कार्यकारी सदस्य और विधायक सूर्य रोंगफार व लुनसिंग टेरोन, विधायक निसों तेरंगपी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे। ओपन सेशन का एक विशेष आकर्षण 2,000 कार्बी पारंपरिक पुजारियों (कुरुसार) द्वारा *बोंगक्रोक अरनाम केपु* (कार्बी प्रार्थना) की प्रस्तुति होगी। इसके बाद औपचारिक कार्यवाही होगी और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रयास से जुड़े प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इन समारोहों का समापन 17 नवंबर की शाम को *सरसिंग टेरोन (लैंगकुंग हाबे) सांस्कृतिक संध्या* के साथ होगा। प्लैटिनम जुबली समारोह का उद्देश्य संस्थापक नेताओं के योगदान का सम्मान करना, वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों का जश्न मनाना, मूल सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना और एकता तथा समावेशी विकास की भावना को मजबूत करना है। टुगेदर टू द फ्यूचर (भविष्य की ओर एक साथ) थीम के माध्यम से, केएएसी कार्बी आंग्लांग के लिए एक उज्ज्वल भविष्य गढ़ने में सामूहिक भागीदारी को प्रेरित करना चाहता है।

कृत्रिम तालाब और गानों ...

शिवसेना ने समुद्र तटों के किनारे छठ पूजा के आयोजन से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को लेकर चिंता जताई है। रेलवे प्रशासन ने कहा है कि छठ पूजा के दौरान उत्तर भारतीय यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे बोर्ड के निर्देशों पर लाउडस्पीकर के जरिए घोषणाएं की जा रही हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाले यात्रियों को जानकारी देने के लिए बीच-बीच में गाने भी बजाए जा रहे हैं। इस बीच, भाजपा और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने विपक्षी दलों पर राजनीतिक फायदे के लिए *मराठी बनाम गैर-मराठी* का बंटवारा पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अलग-अलग जातियों, धर्मों और क्षेत्रों के लोग एक साथ मिल-जुलकर रहते हैं। यूबीटी शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति को महाराष्ट्र और मुंबई में नहीं लाना चाहिए।

ब्रुकलिन में इमारत...

परिस्थितियों के बीच पूरी रात तलाशी अभियान चलाया। न्यूयॉर्क अग्निशमन विभाग के अनुसार हादसे में घायल चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच अन्य लोगों को गंभीर, लेकिन जानलेवा नहीं होने वाली चोटें आई हैं, जबकि 10 लोगों को मामूली चोटों के कारण अस्पताल ले जाया गया। विभाग के आयुक्त अहमद तिगानी ने कहा कि हादसे के बाद न्यूयॉर्क के भवन विभाग ने इमारत ढहने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच में इमारत के सभी पहलुओं के साथ-साथ आसपास चल रहे निर्माण कार्य की भी पड़ताल की जाएगी। तिगानी के अनुसार भवन विभाग के निरीक्षक घटनास्थल पर मौजूद हैं और रातभर जांच में जुटे रहे। नगर परिषद की जोनिंग एवं फ्रेंचाइजी उपसमिति की अध्यक्ष फराह एन. लुई ने शहर की सभी संबंधित निगरानी एजेंसियों से इमारत के इतिहास और सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच करने की मांग की है। लुई ने कहा कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में किसी इमारत का इस तरह ढहना बेहद गंभीर मामला है। समुदाय को हादसे के कारणों और संभावित लापरवाही के बारे में स्पष्ट जवाब मिलने चाहिए।

अरविंद केजरीवाल और ...

अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर देगा। विधायक जरनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें और उनके परिवार को मिली धमकी गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की व्यापक जांच करने और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। विधायक ने फोन संबंधी अभिलेखों, इंटरनेट पते और धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण की वास्तविक स्थिति का पता लगाने की भी अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल तथा उनकी बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जेन्सेन हुआंग ने ...

साथ वीडियो क्लिप वायरल हुई थी, जिसके बाद से ही जेन्सेन हुआंग ही नहीं, पूरी कंपनी चर्चा का विषय बन गई। जेन्सेन हुआंग के कंपनी से इस्तीफे के बाद एनवीडिया की तरफ से कहा गया कि उनके जाने से एआई इंडस्ट्री ने अपना सबसे बड़ा समर्थक खो दिया है और उस चिपमेकर कंपनी का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है, जिसे उन्होंने खुद एक एआई पावरहाउस के रूप में खड़ा किया था। कंपनी के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग, जो एनवीडिया के सह-संस्थापक हैं और लगभग 3.61त्न हिस्सेदारी के साथ कंपनी के चौथे सबसे बड़े निवेशक हैं, अब बोर्ड में भी नहीं रहेंगे। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि जब तक कोई स्थायी उत्तराधिकारी नहीं मिल जाता, तब तक चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) कोलेट क्रेस्स अंतरिम सीईओ के रूप में काम संभालेंगी।

टीएमसी सांसद अभिषेक ...

भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया था। शांतिपूर्ण कार्रवाई के बीच केएमसी कर्मियों ने बांस और अन्य मलबे को हटाकर फुटपाथ को पूरी तरह साफ कर दिया। यह मामला पिछले कुछ दिनों से विवादों में था। लोगों की शिकायत थी कि फुटपाथ पर इस शेड और गेट के कारण राहगीरों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। पिछले शुक्रवार रात अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के जश्न के दौरान भी इस शेड के नीचे भारी भीड़ जमा हुई थी, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। बुधवार शाम को भी पुलिस शेड हटाने के लिए अभिषेक के घर पहुंची थी। हालांकि, अभिषेक के कार्यालय के कर्मचारियों ने खुद ही अस्थायी ढांचे को हटाना शुरू कर दिया था। कालीघाट तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता अर्क नाग ने बुधवार शाम स्पष्टीकरण दिया था कि यह शेड राज्य के सुरक्षा निदेशालय द्वारा पुलिसकर्मियों के बैठने के लिए बनाया गया था, जब अभिषेक को *जेड प्लस* सुरक्षा प्राप्त थी। नाग का दावा था कि राज्य में सरकार बदलने के बाद अभिषेक की अतिरिक्त सुरक्षा वापस ले ली गई है, इसलिए इस शेड की अब कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा था कि यह शेड पुलिस ने ही बनाया था। चूंकि अतिरिक्त सुरक्षा हटा ली गई है, इसलिए अभिषेक बनर्जी की ओर से ही इसे हटाने की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि, गुरुवार सुबह तक शेड पूरी तरह से नहीं हटाया गया था, जिसके बाद नगर निगम की टीम ने बुलडोजर के साथ पहुंचकर उसे ढहा दिया और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस बीच, बुधवार दोपहर को अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि पुलिस उनके घर के बाहर गाड़ियों के जरिए निगरानी (रेकी) कर रही है। इस पूरी कार्रवाई को लेकर फिलहाल कालीघाट टीएमसी या अभिषेक बनर्जी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2047 तक विकसित भारत ...

करते हुए कहा कि उन्होंने प्रेस रिलीज के दौर से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक मीडिया में आए बदलावों को करीब से देखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह पत्रकारों के जीवन में डेडलाइन का महत्व होता है, उसी तरह देश भी अब एक निश्चित समयसीमा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह समयसीमा 2047 है, जब भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आजादी के समय से देश के साथ रहा है लेकिन अब इस सपने को पूरा करने की एक निश्चित तारीख तय है। हमें आजादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि 2047 की डेडलाइन का अर्थ यह नहीं है कि देश तब तक इंतजार करे। हमें अभी से छोटे-बड़े लक्ष्य तय करके उन्हें पूरा करना होगा। प्रधानमंत्री ने भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने बीते वर्षों में कई ऐसे काम किए हैं, जिनकी कभी कल्पना भी मुश्किल थी। उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास भारत की सफल लैंडिंग, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बनने, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंच

असम में औद्योगिक इकाइयों को मिलेगी 500 करोड़ रुपए की सब्सिडी, ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और योग्य विनिर्माण इकाइयों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से *असम राज्य पूंजी निवेश सब्सिडी योजना, 2026* का ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। उद्योग एवं वाणिज्य तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग के मंत्री बिमल बोरा ने गुरुवार को दिसपुर स्थित जनता भवन के आई ब्लॉक में आयोजित एक कार्यक्रम में पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि यह पोर्टल निवेशकों के हितों की रक्षा करने, औद्योगिक निवेश की निरंतरता बनाए रखने और उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के असम को देश के एक उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों को इससे नई गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने, नए निवेशकों को आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से 9 मार्च, 2024 को उत्तर पूर्व परिवर्तनकारी औद्योगिकीकरण योजना (उन्नति), 2024 शुरू की थी। इस योजना के लिए 10,037 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रावधान किया गया था। इस योजना के तहत असम में कुल 777 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें लगभग 9,239 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश शामिल थे। हालांकि, पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों के लिए संभावित वित्तीय दायित्व उपलब्ध धनराशि से अधिक होने के कारण केंद्र सरकार को निर्धारित समय सीमा 30 सितंबर, 2026 से पहले ही नए पंजीकरण बंद करने पड़े। इस स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया कि केंद्र की योजना के तहत पंजीकरण बंद होने से असम के संभावित निवेशकों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। इसी क्रम में 29 सितंबर, 2026 को उन पात्र विनिर्माण इकाइयों के लिए राज्य की अपनी पूंजी निवेश सब्सिडी योजना अधिसूचित की गई, जो निर्धारित अवधि में पंजीकरण नहीं करा सकी थीं। इस योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार अगले पांच वर्षों में कुल 500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी। योजना के तहत औद्योगिक इकाइयों को उनके स्थान के आधार पर अलग-अलग दरों पर सब्सिडी दी जाएगी। जोन-ए के अंतर्गत आने वाले जिलों में स्थापित पात्र औद्योगिक इकाइयों को संयंत्र एवं मशीनरी में किए गए निवेश का 30 फीसदी सब्सिडी के रूप में मिलेगा। वहीं, जोन-बी के जिलों में स्थित इकाइयों को निवेश का 50 फीसदी सब्सिडी प्रदान की जाएगी। हालांकि, प्रत्येक औद्योगिक इकाई के लिए सब्सिडी की अधिकतम सीमा 7.5 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जेबी एक्का ने स्वागत भाषण दिया और राज्य में औद्योगिक विकास के लिए सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए ऑनलाइन पोर्टल से विनिर्माण क्षेत्र की पात्र औद्योगिक इकाइयों को योजना का लाभ उठाने में सुविधा होगी। इस अवसर पर उद्योग विभाग के आयुक्त नरेन्द्र शाह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



टेंगाखाट अग्निकांड : मृतक कर्मचारियों के परिजनों ने ठुकराया मुआवजा, नौकरी की मांग

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के डिब्रूगढ़ जिले के टेंगाखाट स्थित आईटीएफ में हुए भीषण अग्निकांड में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) प्रबंधन द्वारा घोषित मुआवजे को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। मृतकों के परिजनों ने आर्थिक सहायता के बजाय परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि इस भीषण अग्निकांड में छह कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य कर्मचारी घायल हो गया था। घायल कर्मचारी का दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद ओआईएल प्रबंधन ने मृतक कर्मचारियों के प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की थी। हालांकि, परिजनों ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा है कि मुआवजे के बजाय परिवार के सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में उनकी आजीविका सुनिश्चित हो सके।

रकीबुल हुसैन के साथ पांच कांग्रेस विधायकों को भी देना चाहिए इस्तीफा : बदरुद्दीन अजमल



गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर निशाना साधते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। अजमल ने कहा कि रकीबुल हुसैन को अपनी विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने केवल रकीबुल हुसैन ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के पांच विधायकों से भी इस्तीफा देने की मांग की। अजमल गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अजमल ने आरोप लगाया कि रकीबुल हुसैन की विफलता के कारण ही आलमगंज में बेदखली अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि यदि रकीबुल हुसैन अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करते तो ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। अजमल ने अपने बयान में यह भी कहा कि उनके सांसद रहने के दौरान क्षेत्र के लोगों के हितों और समस्याओं को लेकर लगातार काम किया गया था। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठाते हुए रकीबुल हुसैन को मौजूदा परिस्थितियों के लिए जिम्मेदार ठहराया।

बाक्सा एवं तामुलपुर जिलों में आग लगने से व्यापक नुकसान

बाक्सा/तामुलपुर (हिंस)। बाक्सा जिले के बागानपारा और तामुलपुर जिले के भारत-भूटान सीमावर्ती दरंगा बाजार में भयावह आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में भारी नुकसान की सूचना मिली है। घटना के अनुसार बाक्सा के बागानपारा पुलिस चौकी के सामने आग की घटना घटी। आग में कई परिवारों के घर-द्वार और संपत्ति जलकर राख हो गए। आग लगने का कारणों पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम आग पर काबू पाने में सफल हुई। हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। पुलिस नुकसान का आकलना करने में जुटी हुई है। वहीं दूसरी ओर तामुलपुर जिले के भारत-भूटान सीमा पर स्थित दरंगा बाजार में बीती रात भयावह आग लगी। जानकारी के अनुसार, स्थानीय मेले बाजार में मुहम्मद अली नामक एक व्यवसायी के टूटे-फूटे गोदाम में यह आग लगी। आग की तीव्रता इतनी भयानक थी कि थोड़े ही समय में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर अग्निशमन दल की गाड़ियां पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग के कारण लाखों रुपए की संपत्ति राख होने का अंदेशा है। फिलहाल आग लगने के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शहीद सुजीत नार्जरी मेरिट छात्रवृत्ति के तहत 79 मेधावी विद्यार्थियों को मिली आर्थिक सहायता

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड क्षेत्र में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से गुरुवार को कोकराझाड़ के चांदमारी स्थित बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में शहीद सुजीत नार्जरी मेरिट छात्रवृत्ति के तहत आर्थिक सहायता वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीटीसी प्रमुख हग्रामा मोहिलारी ने वर्ष 2026 की एचएसएलसी एवं एचएसएसएलसी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इस छात्रवृत्ति योजना के तहत तीन श्रेणियों में विद्यार्थियों को सहायता दी गई। इनमें एचएसएलसी परीक्षा 2026 के शीर्ष 10 मेधावी विद्यार्थी, एचएसएसएलसी परीक्षा के विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के शीर्ष 10-10 विद्यार्थी तथा एचएसएलसी परीक्षा में बोडो, असमिया और नेपाली एमआईएल विषयों में 100 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल हैं। इस वर्ष कुल 79 विद्यार्थियों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। इनमें एचएसएलसी के 10 टॉपर, एचएसएसएलसी विज्ञान संकाय के 10, कला संकाय के 11 तथा वाणिज्य संकाय के 11 विद्यार्थी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 42 विद्यार्थियों को टॉपर श्रेणी में पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वहीं, एमआईएल विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 37 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें बोड़ो विषय में 100 अंक प्राप्त करने वाले 33, असमिया में दो तथा नेपाली में दो विद्यार्थी शामिल हैं। इस श्रेणी के लाभार्थियों को कुल तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा कार्यकारी सदस्य रबीराम नार्जरी ने इस अवसर को ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि जब तक बीपीएफ सत्ता में रहेगी, तब तक यह पहल प्रत्येक वर्ष जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही भविष्य के निर्माता हैं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर निवेश तथा प्रोत्साहन आवश्यक है। इस अवसर पर बीटीसी प्रमुख हग्रामा मोहिलारी ने कहा कि शहीद सुजीत नार्जरी मेरिट छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि शहीद सुजीत नार्जरी के सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देते हुए युवाओं को सशक्त बनाने, उनकी प्रतिभा को निखारने और बेहतर भविष्य के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जारी रहेगी। मोहिलारी ने कहा कि शिक्षा ने इस क्षेत्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के साथ-साथ शांति, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बीटीसी के विकास के लिए शांति और एकता सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा विद्यार्थियों के लिए अधिक अवसर सृजित करने पर भी जोर दिया। समारोह में विधायक सेवली मोहिलारी, पानिराम ब्रह्म, सभाराम बसुमतारी, कार्यकारी सदस्य रबीराम नार्जरी, देरहासात बसुमतारी, प्रकाश बसुमतारी, मून मून ब्रह्म, जेम्स बसुमतारी एवं कर्मेश्वर राय, एमसीएलए धनेश्वर गयारी, जुबिराज बसुमतारी, सुकर सिंह मुसाहारी एवं विलियम नार्जरी, अतिरिक्त प्रधान सचिव प्रांजित वारि, बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष गोपीनाथ बरगयारी, विभिन्न विभागों के सचिव, शिक्षा निदेशक सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



मंगलदै में भाजपा की विशाल पदयात्रा, *लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ* का दिया नारा

मंगलदै (हिंस)। असम के मंगलदै में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* के नारे के साथ विशाल पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में कई हजार लोगों ने हिस्सा लिया। मंगलदै शहर के भेवारघाट से शुरू हुई इस पदयात्रा में भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लिया। जुलूस में पार्टी नेताओं और समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। इस कार्यक्रम में भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, मंत्री नीलिमा देवी तथा सिपाझार के विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* के नारे के साथ निकाली गई इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही।

देरगांव में एक और बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। असम में एक के बाद एक बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने गुरुवार को बताया कि देरगांव के नाहरनी इलाके से बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मासुक अहमद (55) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे नाहरनी इलाके में अभियान चलाकर हिरासत में लिया। राज्य के विभिन्न हिस्सों में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बीच इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, मासुक अहमद के भारत में प्रवेश करने के तरीके और उससे संबंधित अन्य पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

कामरूप जिले के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 के अंतर्गत मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित



रंगिया (विभास)। कामरूप के जिला आयुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी देव कुमार मिश्र और अतिरिक्त जिला आयुक्त (निर्वाचन) देवाशीष गोस्वामी ने विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मसौदा मतदाता सूची का औपचारिक रूप से विमोचन किया। प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची के अनुसार कामरूप जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 12,56,402 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 6,29,623 और महिला मतदाताओं की संख्या 6,26,779 है। मसौदा मतदाता सूची के संबंध में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा 12 नवंबर से 11 दिसंबर, 2026 तक निर्धारित की गई है। दर्ज किए गए दावों और आपत्तियों का निपटारा 28 दिसंबर, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तिथि 4 जनवरी, 2027 निर्धारित की गई है। कामरूप जिले के कुल छह विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची की इस पुनरीक्षण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए जिले में 1,553 बूथ स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। पूरी प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए छह निर्वाचक निबंधन अधिकारी और 12 सहायक निर्वाचक निबंधन अधिकारी तैनात किए गए हैं। जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन अधिकारी इस प्रकार हैं- 27 नंबर छमरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजित कुमार देव, 28 नंबर बोको-छयगांव (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा क्षेत्र के लिए सह-जिला आयुक्त (बोको-छयगांव) प्रियांशु भारद्वाज, 29 नंबर पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए पलाशबाड़ी के सह-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, 30 नंबर हाजो-सुआलकुची विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी, 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र के लिए रंगिया के सह-जिला आयुक्त नवजीत पाठक और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला आयुक्त सह कमलपुर की सह-जिला आयुक्त मोनिका बरगोहाईं। कामरूप जिला प्रशासन ने जिले के सभी मतदाताओं से मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण जांचने तथा किसी भी प्रकार के संशोधन, नाम जोड़ने या आपत्ति होने पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दावा या आपत्ति दर्ज कराने की अपील की है।

रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम आधारित विभागीय संगोष्ठी संपन्न

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के असमिया विभाग में 12 नवंबर 2026, गुरुवार को एक पाठ्यक्रम आधारित विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे शुरू हुई इस संगोष्ठी का संचालन विभाग के सहायक प्रोफेसर देवराज मिली और यदुमणि गोगोई ने किया। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बीणा सैकिया द्वारा उद्घाटित और संचालित इस सत्र में संसाधन व्यक्तियों (रिसोर्स पर्सन) के रूप में विभाग के शिक्षक-देवराज मिली, डॉ. मनीषा सैकिया, डॉ. मल्लिका डेका, पल्लवी काथार, यदुमणि गोगोई और डॉ. रिणिखा देवी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सैकिया ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए अनुसंधान (शोध) के लक्ष्य, महत्व और शोध-पत्र के सही प्रस्तुतिकरण कौशल पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों की वाक-शैली (कथनशैली), लेखन-शैली और आत्मविश्वास को बढ़ाकर उनके व्यक्तित्व का विकास कर सकता है। विभाग के स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम और तृतीय सत्र के छात्र-छात्राओं ने इस संगोष्ठी में भाग लिया और कुल 33 शोध-पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के दौरान विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रों के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्षों को इंगित करते हुए भविष्य में उनमें सुधार के लिए अकादमिक परामर्श प्रदान किए। शाम 4 बजे असम के राज्यगीत के गान के साथ संगोष्ठी के समापन की घोषणा की गई।



रंगिया में उद्योग और वाणिज्य विभाग के स्थायी कार्यालय का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। रंगिया के औद्योगिक और प्रशासनिक क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रंगिया सम-जिला आयुक्त कार्यालय के समीप 1 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से निर्मित सहायक उद्योग और वाणिज्य निदेशक के नवनिर्मित स्थायी कार्यालय भवन का आज औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के मंत्री बिमल बोरा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर इस कार्यालय भवन को जनता की सेवा के लिए समर्पित किया। समारोह में स्थानीय विधायक भबेश कलिता ने भी उपस्थित होकर यह मत व्यक्त किया कि यह नया कार्यालय भवन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस कार्यालय भवन के माध्यम से अब से विभागीय कामकाज और अधिक तेजी से हो सकेंगे। इसके परिणामस्वरूप, रंगिया के स्थानीय उद्यमियों, व्यापारियों तथा आम नागरिकों को विभागीय सेवाओं और आवश्यक प्रमाण पत्र आदि प्राप्त करने में सुविधा होगी। इसके अलावा, यह उम्मीद की जा रही है कि यह कार्यालय स्वरोजगार की विभिन्न संभावनाओं को साकार करने में भी मददगार साबित होगा। अन्य लोगों के अलावा, रंगिया के सह-जिला आयुक्त नवजीत पाठक के साथ-साथ उद्योग और वाणिज्य विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ऐसी चर्चा है कि यह कदम सुंदर प्रशासनिक परिवेश और बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से आने वाले दिनों में रंगिया को एक अग्रणी औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने में विशेष गति प्रदान करेगा।



एसएसबी के 31वें बटालियन ने धूमधाम से मनाया 22वां स्थापना दिवस

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखी एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक

कोकराझाड़ (विभास)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 31वीं वाहिनी, गोसाईगांव का 22वां स्थापना दिवस वाहिनी मुख्यालय परिसर में अत्यंत हर्षोल्लास, देशभक्ति और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। वाहिनी के कमांडेंट अमित सिंह के आतिथ्य में आयोजित इस भव्य समारोह में बल के अधिकारियों, जवानों, उनके परिजनों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थापना दिवस समारोह का विधिवत शुभारंभ प्रात: वाहिनी मुख्यालय परिसर स्थित शहीद स्मारक पर हुआ। इस अवसर पर कमांडेंट अमित सिंह सहित समस्त अधिकारियों और जवानों ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत कमांडेंट महोदय द्वारा सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक के संदेश का वाचन किया गया, जिसमें बल की गौरवशाली उपलब्धियों, सीमा सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और जवानों के कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया गया। समारोह की संध्या बेला में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीमांत मुख्यालय, एसएसबी गुवाहाटी के महानिरीक्षक (आईजी) सुधीर वर्मा उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के तौर पर क्षेत्रक मुख्यालय, एसएसबी बंगाईगांव के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुदीप्ता दास (भा.पु.से.) तथा कोकराझाड़ के उपायुक्त (डीसी) पंकज चक्रवर्ती (एसीएस) सहित प्रशासन व बल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सांस्कृतिक संध्या के दौरान वाहिनी के जवानों, अधिकारियों, *संदीक्षा* (एसएसबी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन) की सदस्याओं तथा स्थानीय स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में असम के पारंपरिक बिहू नृत्य, बोड़ो लोक नृत्य और पंजाब के ऊर्जावान भांगड़ा सहित देश के विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृतियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से आपसी एकता, अनुशासन और देश की सांस्कृतिक विविधता का सुंदर संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि सुधीर वर्मा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने समारोह के सफल आयोजन के लिए 31वीं वाहिनी के कमांडेंट, अधिकारियों और जवानों के सामूहिक प्रयासों, अनुशासन और समर्पण की मुक्त कंठ से सराहना की। समारोह का समापन आपसी सौहार्द और भाईचारे की भावना के साथ हुआ, जहां सभी जवानों ने बल के आदर्श वाक्य *सेवा, सुरक्षा और बंधुत्व* को चरितार्थ करते हुए वाहिनी की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र व सीमाओं की सुरक्षा के प्रति पूर्ण निष्ठा से कर्तव्य निर्वहन करने का संकल्प दोहराया।



संपादकीय

सोनिया की 'राजनीतिक पटकथा'

राजनीतिक आत्मकथा कभी भी निजी संस्मरणों, घटनाओं, रिश्तों की कहानी नहीं हो सकती। उसमें राजनीतिक परिवेश के खुलासे भी होंगे। राजनीतिक समीकरणों के ब्यौरे भी होंगे। कई स्पष्टीकरण होंगे, तो कुछ राजनीतिक खंडन भी होंगे। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' भी इसी श्रेणी में आती है। वह सबसे लंबे वक्त तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। उन्होंने उस दौर का भी शीर्ष नेतृत्व किया, जब प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की पार्टी भाजपा को देश ने जनादेश नहीं दिया। कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडक़ी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मनःस्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मनःस्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उन्हीं के मद्देनजर उन्होंने टिप्पणी की है। दरअसल सोनिया गांधी 2004-मई, 2014 के दौरान देश की सत्ता और सियासत के सातवें आसमान पर थीं, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे। राष्ट्रपति ने संविधान के कुछ प्रावधानों का भी उल्लेख किया था। एपीजे अब्दुल कलाम ने इस घटनाक्रम का जिक्र अपनी एक किताब में भी किया है। यही नहीं, सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार आदि ने भी राष्ट्रपति से मिल कर सोनिया के 'संभावित प्रधानमंत्रित्व' का जोरदार विरोध किया था। हमने उस दौर के हरेक घटनाक्रम को कवर किया था और खबरें लिखी थीं। डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनना सोनिया गांधी की राजनीतिक मजबूरी थी, क्योंकि वह ही 'सबसे वफादार' चेहरा लगे थे। उन्होंने देश में जो आर्थिक सुधार लागू किए थे, उनसे अर्थव्यवस्था में 'जादुई बदलाव' दिखने लगे थे। बेशक राहुल और प्रियंका गांधी नाराज हुए होंगे कि सोनिया गांधी ने एक बैठक में 'ठीक है, सोचूंगी' क्यों बोल दिया था? परिवार की कहानी निजता वाली हो सकती है, लेकिन बुनियादी कारण हम बता चुके हैं। दरअसल प्रधानमंत्री पद पर कुछ खुलासे सोनिया गांधी के 'अद्र्धसत्य' हैं। किताब में तथ्यात्मक गलतियां भी हैं। उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले, कश्मीर घाटी से पंडितों के निष्कासन और पलायन, राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल के दौरान ही भोपाल गैस त्रासदी से लेकर पुलवामा-पहलगाम आतंकी हमलों तक, न तो कुछ लिखा है और न ही आंसू बहाए हैं। यह किताब आत्मकथा से अधिक 'राजनीतिक इतिहास' की पटकथा है।

कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडक़ी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मनःस्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मनःस्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे।

कुछ अलग

नए युग के नए संकल्प

इस दुनिया को दो हिस्सों में बंटा रहने दो। पहला चंद करोड़पतियों का हिस्सा जो हर आफत मुसीबत का सामना करने के बल पर एक छलांग लगा कर खरबपति हो जाता है, और दूसरा एक बड़ी दुनिया अपनी किस्मत का रोना रोते हुए वंचितों प्रवंचितों की दुनिया, जो अपने हिस्से की तरक्की करके गरीब से फटीचर होती जा रही है और इस अभागी जिंदगी का मुखड़ा बदलने के लिए मेहनत नहीं बल्कि खैरात के वायदों से आस लगाती है, और इसी आस में बकाया जीवन गुजार देती है। वही बाबा आदम के जमाने का सूत्र वाक्य दुहराते हुए, कि 'अपना देश अमीर होता जा रहा है, जहां बसने वाले गरीबों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है'। 'बाकी जो बचा वह महंगाई मार गई' का पुराना गीत भी अब सुर से गाना सीख गई है। हमने पूछा, लेकिन जिस आजादी का अमृत महोत्सव पिछले दिनों यहां मनाया गया था, उसकी शुरुआत में तो एक वायदा किया गया था।

दृष्टि कोण

राष्ट्रहित में अग्निवीरों की नियमित भर्ती हो

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की वर्दी पहनना लाखों युवाओं का सपना रहा है। इसमें रोजगार और आर्थिक सुरक्षा के साथ राष्ट्रसेवा, सम्मान, अनुशासन और मातृभूमि की रक्षा का गौरव भी जुड़ा होता है। सेना में भर्ती होने वाला युवा केवल वेतन के लिए नहीं, बल्कि देश की सीमाओं की सुरक्षा का संकल्प लेकर वर्दी धारण करता है। लेकिन 2022 से भारतीय सशस्त्र सेनाओं के लिए लागू अग्निवीर भर्ती प्रणाली शुरू से ही व्यापक विरोध का सामना कर रही है, क्योंकि सैन्य भर्ती नीति का मूल्यांकन केवल आर्थिक बचत से नहीं, बल्कि सैनिकों के मनोबल, युद्धक क्षमता, अनुभव और भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। इसलिए जून 2022 में शुरू हुई अग्निपथ योजना और 4 नवंबर 2026 को इसमें घोषित संशोधन अब महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन गए हैं। हिमाचल प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में भी अग्निवीर भर्ती योजना को बंद करने का मुद्दा जोर-शोर से उठा। पूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने की मांग की है। अग्निपथ योजना लागू करने के पीछे सरकार का उद्देश्य सेना की औसत आयु कम करना, युवा एवं तकनीकी रूप से दक्ष सैनिक तैयार करना तथा वेतन और पेंशन के बढ़ते वित्तीय दायित्व को नियंत्रित करना था। मूल व्यवस्था में अधिकतम 25 प्रतिशत अग्निवीरों को योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सेवा में शामिल किया जाना था, जबकि शेष 75 प्रतिशत को नागरिक जीवन में लौटना पडता था। ऐसे में



सैन्य प्रशिक्षण और हथियारों के संचालन में दक्षता हासिल करने के बाद जब जवान अपने कार्य में परिपक्व होने लगता है, तभी उसके सामने सेवा समाप्त होने की अनिश्चितता खड़ी हो जाती है। सेना की शक्ति केवल युवा जोश से नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव, नेतृत्व क्षमता, रेजिमेंटल परंपराओं और साथियों के बीच विकसित अटूट विश्वास से भी बनती है। इसलिए अल्पकालिक सैन्य सेवा व्यवस्था के सैन्य प्रभावों पर गंभीर विचार विमर्श अभी भी अनिवार्य बना हुआ है। अग्निपथ योजना का सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक आधार रक्षा बजट में वेतन और पेंशन के बढ़ते हिस्से को नियंत्रित कर आधुनिकीकरण के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराना है। सरकार की चिंता कुल बजट की कमी से अधिक उसके आंतरिक वित्तीय संतुलन को लेकर रही है। वर्ष 2013-14 में लगभग 2.53 लाख करोड़ रुपए का रक्षा बजट 2026-27 में बढक़र 7.85 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी अवधि में केंद्र सरकार का कुल व्यय लगभग 15.59 लाख करोड़ रुपए से बढक़र 53.47 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है। इसके बावजूद रक्षा व्यय का जीडीपी में हिस्सा 2014-15 के 2.3 प्रतिशत से घटकर 2026-27 में लगभग 2 प्रतिशत रह गया है। यानी अर्थव्यवस्था और सरकारी बजट बढ़े हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा पर व्यय का जीडीपी के अनुपात में विस्तार उसी गति से नहीं हुआ है। वर्ष 2026-27 के रक्षा बजट में लगभग 1.71 लाख करोड़ रुपए वेतन और पेंशन के लिए निर्धारित हैं। रक्षा मंत्रालय के कुल आवंटन में पेंशन का हिस्सा लगभग 21.84 प्रतिशत है, जबकि पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 2.19 लाख करोड़ रुपए अर्थात करीब 28 प्रतिशत राशि रखी गई है। देश में लगभग 33 लाख रक्षा पेंशनभोगी हैं। वन रैंक वन पेंशन, वेतन आयोगों की सिफारिशों और अन्य दायित्वों के कारण पेंशन व्यय लगातार बढ़ा है। रक्षा संबंधी संसदीय समिति ने बेहतर सैन्य तैयारियों के लिए जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत रक्षा क्षेत्र को आवंटित करने की आवश्यकता भी रेखांकित की है।

विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा

राहुल की चुनौती क्यों स्वीकार नहीं करते मोदी

वास्तविक लोकतंत्र वहीं होता है, जहां सत्तापक्ष विपक्ष और पत्रकारों के सवालों के जवाब दे। देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता हैं। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया हैं। विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा है। राहुल गांधी ने 3 दिन में 4 बार पीएम को मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोदी विपक्ष पर देश विरोधी होने और विदेशी ताकतों से संबंध रखने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें इन मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। राहुल ने बहस के लिए भारत-अमेरिका ट्रेड डील, देश की आर्थिक व्यवस्था, उद्योगपति गौतम अडाणी और जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बहस में देश के युवा और मीडिया भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री अपनी पसंद की जगह और जज चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकार चर्चा की बात करती है, लेकिन विपक्ष को अपनी

देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता हैं। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया हैं।



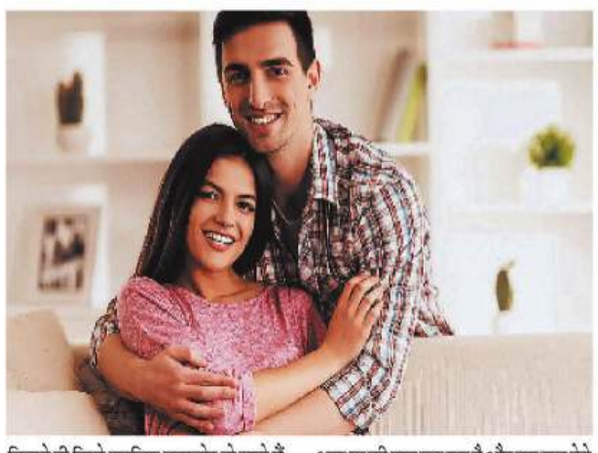


बात रखने का मौका नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब वे बोलने की कोशिश करते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। 2 नवंबर को राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। इसी तरह 3 नवंबर को राहुल ने वीडियो जारी कर कहा कि मोदी को बहस की चुनौती दिए 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन उनकी तरफ से जवाब नहीं आया। पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल ने फिर मोदी को चुनौती दी। राहुल ने दावा किया कि पांच मिनट की बहस में वे साबित कर देंगे कि मोदी 'देशद्रोही' हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नियंत्रण में हैं। राहुल के सवालों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देने के बजाए उल्टे सात सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती है। रिजिजू ने कहा- राहुल को भाजपा को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोड़कर संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं। राहुल पहले भी बहस की चुनौती दे चुके हैं। राहुल ने अगस्त 2018 में कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में राफेल मुद्दे पर कहा था कि मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा। जनवरी 2019 में राहुल गांधी ने कहा कि राफेल पर लोकसभा में मुझे पीएम के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, अमरीका के प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि पीएम में हिम्मत नहीं है। 7 अप्रैल 2019 को भ्रष्टाचार पर मेनिफेस्टो लॉन्च पर मोदी के एक इंटरव्यू के बाद राहुल ने ट्वीट किया था कि आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं। गौरतलब है कि 2024 चुनाव से पहले भी राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए पीएम को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिस पर पीएमओ की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान संसद को 48 बार संबोधित किया था। तब गुजरात के सीएम रहे नरेंद्र मोदी ने उन्हें 'मौन मोहन' कहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में अब तक 22 बार ही बोले हैं। एचडी देवगौड़ा जो सिर्फ क़रीब दो साल के लिए प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी संसद में मोदी से ज़्यादा बार बोला था। बीजेपी के ही अटल बिहारी वाजपेयी ने भी छह सालों में 77 बार संसद को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे में प्रेस के सवाल न लेने के फ़ैसले पर विवाद रहा है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गार स्टोरे के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान नॉर्वे की एक महिला पत्रकार ने प्रधानमंत्री मोदी से मीडिया के सवालों का जवाब देने का आग्रह किया था। लेकिन पीएम मोदी ने कोई सवाल नहीं लिया था। नॉर्वे की महिला पत्रकार हेला लेंग ने विदेश मंत्रालय की ब्रीफ़िंग में भी मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाए। इस पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत एक सिवलाइजेशनल नेशन है। इससे पहले हेला लेंग ने ओस्लो के गवर्नमेंट गेस्ट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री स्टोर की प्रेस ब्रीफिंग ख़त्म होने के बाद खड़े होकर सवाल पूछा था। हेला ने पूछा था कि प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस के सवाल क्यों नहीं लेते? क्या आप हमारी सरकार के विश्वास के योग्य हैं? पीएम मोदी ने इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया था। हेला के सवाल पर भारत में भी काफ़ी बहस रही। तब भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को आड़े हाथों लिया और पूछा कि सवालों से घबरा क्यों रहे हैं? इन विवादों को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय ने भारत के लोकतंत्र का बचाव किया। पीएम मोदी के इस दौरे में दूसरी बार था, जब इन मुद्दों पर सरकार को सफ़ाई देनी पड़ी। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 के वर्ल्ड विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत को 180 देशों में 157वां स्थान मिला है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है। सत्ता में बहुमत के बूते विपक्ष और मीडिया की आवाज को अनसुना करना देश के लोकतंत्र के लिए बेहद घातक है। इससे कहीं न कहीं सरकारी तंत्र में तानाशाही पनपने की संभावना रहती हैं। यही कारण भी है कि देश में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, सरकारी तंत्र का गैरजिम्मेदारी वाला आचरण नजर आता है।

देश दुनिया से

रिश्ते बनाएं भी, निभाएं भी

रिश्ते हमारे जीवन की उन चीजों में से हैं जिन्हें हम पाना तो चाहते हैं, लेकिन कई बार संभालने का तरीका भूल जाते हैं। एक बच्चा बड़ा होता है तो माता-पिता उसके साथ होते हैं, विवाह के बाद दो लोग एक नया संसार बनाते हैं, मित्रता वर्षों तक चलती है, भाई-बहन जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव साथ देखते हैं। शुरुआत में रिश्तों में अपनापन सहज होता है। हम एक-दूसरे के लिए समय निकालते हैं, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, एक-दूसरे की खुशी में खुश होते हैं। लेकिन समय बीतने के साथ वही रिश्ता यदि केवल आदत बन जाए और उसमें संवाद, सम्मान और ध्यान कम होने लगे, तो दो लोग साथ रहते हुए भी दूर हो सकते हैं, इसलिए अच्छा रिश्ता केवल बन जाने का नाम नहीं है। रिश्ता बनाना शुरुआत है, निभाना उसकी असली परीक्षा है। किसी रिश्ते की पहली नींव विश्वास है। विश्वास का अर्थ केवल यह नहीं कि सामने वाला हमें धोखा नहीं देगा। इसका अर्थ यह भी है कि हम उसके सामने अपने मन की बात कह सकें, अपनी कमजोरी स्वीकार कर सकें और यह भरोसा रख सकें कि हमारी कही बात हमारे विरुद्ध इस्तेमाल नहीं होगी। जहां विश्वास होता है, वहां हर बात का प्रमाण नहीं मांगा जाता। हमें हर फोन कॉल का हिसाब नहीं चाहिए, हर चुप्पी का अर्थ नहीं निकालना पड़ता और हर छोटी बात पर संदेह नहीं करना पड़ता। लेकिन विश्वास एक बार में नहीं बनता। वह लगातार सही व्यवहार से धीरे-धीरे बनता है और टूटने में कभी-कभी एक क्षण ही पर्याप्त होता है। इसलिए हम यदि अपने रिश्तों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो अपने शब्दों से अधिक अपने व्यवहार को विश्वसनीय बनाना होगा। विश्वास के बाद रिश्ते को जीवित रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण चीज है संवाद।



कितने ही रिश्ते इसलिए कमजोर हो जाते हैं क्योंकि दोनों पक्षों के बीच प्रेम तो रहता है, लेकिन बातचीत कम हो जाती है। हम सामने वाले से पूछते नहीं, अनुमान लगाने लगते हैं- 'वह मेरी परवाह नहीं करता', 'उसे मेरी बात समझ में नहीं आती', 'वह जानबूझकर ऐसा करता है'। समस्या यह है कि अनुमान अक्सर सच नहीं होते। हम मन में पूरी कहानी बना लेते हैं और फिर उसी कहानी के आधार पर सामने वाले से नाराज भी हो जाते हैं। यदि हम अपनी बात स्पष्ट रूप से कहेंगे और सामने वाले को अपनी बात कहने का अवसर देंगे तो बहुत-सी गलतफहमियां जन्म लेने से पहले ही समाप्त हो जाएंगी। अनुमान संवाद का विकल्प नहीं हो सकता, लेकिन संवाद का अर्थ केवल बोलना नहीं है। रिश्ते बचाने के लिए हमें सुनना भी सीखना होगा। हममें से बहुत लोग सुनते समय वास्तव में सुन नहीं रहे होते, हम भीतर ही भीतर अपने उत्तर की तैयारी कर रहे होते हैं। सामने वाला अपनी पीड़ा बता रहा है और हम तुरंत समाधान देने लगते हैं। वह अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहा है और हम अपने बचाव में तर्क देने लगते हैं। वह अपने अनुभव की बात कर रहा है और हम कह देते हैं- 'इसमें इतनी बड़ी बात क्या है?' शायद हमें यह समझना होगा कि हर बातचीत समाधान मांगने के लिए नहीं होती। कई बार सामने वाला केवल यह चाहता है कि कोई उसकी बात पूरी तरह सुने और यह महसूस कराए कि उसकी भावना महत्वपूर्ण है। किसी को समझने की पहली सीढ़ी उसे पूरी तन्मयता से सुनना है। इसके बाद नंबर है सम्मान का। प्रेम में भावनाएं कभी कम-ज्यादा हो सकती हैं, विचारों में मतभेद हो सकते हैं, स्वभाव अलग हो सकते हैं, लेकिन सम्मान बना रहे तो रिश्ते के पास संभलने की जमीन रहती है। पति-पत्नी असहमत हो सकते हैं, माता-पिता और बच्चे अलग राय रख सकते हैं, दो मित्र किसी विषय पर बिल्कुल विपरीत विचार रख सकते हैं, लेकिन असहमति को अपमान में नहीं बदलना चाहिए। हम सामने वाले की बात गलत मान सकते हैं, लेकिन उसे छोटा किए बिना। जब हम किसी रिश्ते में सामने वाले की गरिमा बचाए रखते हैं, तब हम केवल उस व्यक्ति का सम्मान नहीं करते, हम रिश्ता भी बचाते हैं। रिश्तों में एक और सूक्ष्म समस्या है कि हम हर बार सही साबित होना चाहते हैं। पति-पत्नी की बहस हो, दो मित्रों में मतभेद हो या परिवार में कोई विवाद हो, हम अक्सर यह साबित करने में लग जाते हैं कि हम ही सही हैं। कुछ अवसरों पर हमें यह चुनना पड़ता है कि हमें अपनी बात मनवानी है या अपना रिश्ता बचाना है। इसका अर्थ गलत बात को स्वीकार करना नहीं है। इसका अर्थ केवल इतना है कि हर विवाद को युद्ध बनाना आवश्यक नहीं। रिश्ते अक्सर किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी उपेक्षाओं से कमजोर होते हैं, मसलन, बात न सुनना, धन्यवाद न कहना, गलती होने पर भी माफी न मांगना, सामने वाले के समय को महत्व न देना, हर समय मोबाइल में व्यस्त रहना या उसकी भावनाओं को तुच्छ समझ लेना। रिश्ते बचाने के लिए किसी बड़े चमत्कार की आवश्यकता नहीं होती। ध्यान से सुनना, इज्जत से बात करना और गलती होने पर माफी मांग लेना चमत्कार की तरह काम करता है। रिश्ता सही व्यक्ति मिल जाने से अच्छा नहीं बनता, सही व्यवहार करने से अच्छा बना रहता है। रिश्तों का सबसे बड़ा शत्रु कई बार कोई तीसरा व्यक्ति नहीं, हमारा अपना अहंकार होता है। 'पहले वही फोन करे', 'गलती उसकी थी, मैं क्यों माफी मांगूं', ऐसी सोच दो लोगों के बीच ऐसी दूरी बना सकती है जिसे बाद में पाटना कठिन हो जाता है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि माफी रिश्तों को बचाने का सबसे शक्तिशाली साधन है। हम जितनी जल्दी टूटे संवाद को जोडने की कोशिश करेंगे, दरार उतनी ही आसानी से पटेगी। अच्छे रिश्तों का कोई जादुई सूत्र नहीं है। हम विश्वास देंगे तो विश्वास बढ़ेगा, सम्मान देंगे तो सम्मान बचेगा, सुनेंगे तो संवाद जीवित रहेगा और क्षमा करेंगे तो मन हल्का होगा।

आप का नजरीया

ग्राहक रोजगार नहीं चलेगा

घर रोशन हुए जब कहीं चिराग जल गया, इक कतरा एतबार का पूरा मकान खिल गया। उपलब्धियों के सांचे नहीं होते, फिर भी इनकी पैमाइश का जिक्र होता है। हिमाचल कई उपलब्धियों के बीच सूखी और बंजर जमीन पर खड़ा है। बेशक शिक्षा के पैमानों में हरियाली के सबूत भरे हैं, लेकिन बेरोजगारी के मंजर में डिग्रियां उदास हैं। यह दीगर है कि हिमाचल में उद्योगों तथा पर्यटन के रास्ते रोजगार के अवसर बढ़े हैं, लेकिन ज्यादातर रोजगार ने मानव संसाधन का आयात कर लिया। यही हाल निर्माण उद्योग का भी है और अब तो कृषि भी प्रवासी मजदूरों की ग्राहक बन गई। बी बी एन, जिसे हम हिमाचल की आर्थिक राजधानी मानते हैं, क्या यहां रोजगार के हवाले से प्रदेश ने अपना श्रृंगार किया। कहने को हमने शर्तों के जरिए 75 फीसदी नौकरियों में हिमाचली होना अनिवार्य कर दिया, लेकिन क्या वहां के रोजगार के काबिल प्रदेश के बच्चे तैयार हो पाए। कायदे से 75 फीसदी हिमाचली अगर बीबीएन को मिल जाएं, तो भी यह औद्योगिक केंद्र अपनी क्षमता को हासिल नहीं कर पाएगा। बीबीएन और राज्य के शिक्षा विभाग के बीच लंबी दूरी है। क्या किसी ने सोचा कि बीबीएन या अन्य औद्योगिक केंद्रों में रोजगार की क्षमता के अनुरूप शिक्षा का आधार पुख्ता किया जाए। हम पर्यटन की दृष्टि में बड़ी से बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन क्या कभी किसी स्कूल में बाल मन टटोला गया। आज अगर हिमाचल के स्कूली बच्चों से रोजगार में उनकी प्राथमिकता पूछी जाए, तो वे सरकारी नौकरी के इर्द-गिर्द प्रोफेशन खोजते मिलेंगे। हमने न तो ग्रामीण आर्थिकी में शिक्षा का कोई संबंध बनाया और न ही पढ़ाई का संपर्क पर्यटन, उद्योग व उद्यमशीलता से जोड़ा, लिहाजा शिक्षा की उड़ान का एक काल्पनिक परिवेश बन गया है। कल्पनाओं के संसार में राजनीति केवल उन्हीं मुहावरों को दोहरा रही है, जो आज अप्रासंगिक हैं। ऊना और प्रदेश के कई जिलों की जमीन पर प्रवासी मजदूर, ठेकेदारी के माध्यम से सब्जियां उगाकर कमाने की संज्ञाएं बदल रहे हैं। हाईवे पर्यटन की मिलकीयत में रोजगार क्षमता का दोहन अगर देखना है, तो व्यापार में आते परिवर्तन को देखें। पूरे हिमाचल में एक दशक से शुरू हुआ नारियल पानी का धंधा किसी रेहड़ी पर नहीं, बल्कि डिमांड और सप्लाई की चेन बना कर शुरू हुआ धंधा है, जिसमें सैकड़ों बाहरी लोग शरीक हैं। मोमो अब एक स्वाद नहीं, रोजगार की भट्ठी में तपता आत्मविश्वास है, लेकिन इस धंधे के प्रसार का सारा लाभ हिमाचली नहीं उठा पाए। हैरत यह कि हिमाचल के व्यंजन अब आयातित रोजगार के चूल्हे पर चढ़ रहे हैं। कुल्लू से सुंदरनगर के बीच सिड्डू के स्टॉल पर देखना कि बाहर से आकर इसी रेसिपी का धंधा कितने लोग चला रहे हैं। ऐसे में हर स्कूल-कालेज का फर्ज यह तो नहीं कि सारी उपाधियां केवल दिखावटी बनी रहें। रोजगार के बेहतरीन उदाहरण तो स्वरोजगार में मिलेंगे। क्या स्वरोजगार के लिए हमारे युवा तैयार हो रहे हैं या हमने सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक माहौल से इस क्षमता को बल दिया। बेशक कई योजनाएं चल रही हैं और सेक्टर वाइज विवरण मिल सकता है, लेकिन इससे राज्य की एप्रोच साबित नहीं होती। हम स्वरोजगार के लिए नीतियों, अवसरों और अधोसंरचना का विकास करें, तो कमाने की जिज्ञासा रोजगार की गारंटी बनेगी। प्रदेश में भले ही वेंडिंग जोन बन रहे हैं, लेकिन इनका वितरण या स्वरोजगार के उद्देश्य से नहीं हो रहा। अगर प्रदेश भर में एक लाख के करीब स्टॉल, दुकानें, शाप

विधानसभा के कानून के बिना चल रहा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

एचएसएससी पर हाईकोर्ट सख्त, नया कानून बनाने पर विचार करने के निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में सरकारी नौकरियों की भर्ती करने वाले कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) की कार्यप्रणाली व गठन पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि आयोग दशकों से विधानसभा के बनाए कानून के बजाए राज्यपाल की अधिसूचना के आधार पर काम कर रहा है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इसे कानूनी रूप देने पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की पीठ ने गुरुवार को ऊषा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार से कर्मचारी चयन आयोग (भर्ती में पारदर्शिता एवं जवाबदेही) विधेयक-2026 के प्रस्ताव पर विचार करने को कहा है। याची के वकील नेहा सोनावणे और अर्जुन श्योराण ने हस्तक्षेप आवेदन के जरिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और आयोग को दी गई मांगों तथा प्रस्तावित विधेयक की ओर अदालत का ध्यान दिलाया। अदालत में पेश रिकार्ड के मुताबिक, आयोग का गठन 28 जनवरी 1970 को राज्यपाल की अधिसूचना से हुआ था। विधानसभा ने 2004 में आयोग अधिनियम बनाया, जिसमें सात सदस्यीय आयोग, चयन समिति से नियुक्ति और सदस्यों को हटाने से पहले जांच का प्रविधान रखा। यह कानून 2005 में निरस्त कर दिया गया और आयोग फिर 1970 की अधिसूचना के आधार पर काम करने लगा। अदालत के समक्ष यह भी आया कि अध्यक्ष और सदस्यों को एक महीने का नोटिस देकर बिना कारण बताए हटाया जा सकता है। उनका कार्यकाल और सेवा विस्तार सरकार के विवेक पर निर्भर है। आयोग को पद के अनुसार, चयन मापदंड तय करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए स्पष्ट वैधानिक सुरक्षा और जवाबदेही नहीं है। प्रस्तावित विधेयक आयोग को वैधानिक संस्था बनाने और अध्यक्ष सहित चार से छह सदस्यों की नियुक्ति का प्रविधान करता है। नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या उनके नामित न्यायाधीश वाली चयन समिति का सुझाव है। सदस्यों का कार्यकाल पांच साल और अधिकतम दो कार्यकाल रखने का प्रस्ताव है। भर्ती प्रक्रिया में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, अभ्यर्थियों का बायोमीट्रिक सत्यापन और उत्तर पुस्तिकाओं का फोरेंसिक परीक्षण शामिल हैं। परीक्षा आवेदन की अंतिम तिथि के 45 दिन के भीतर कराने और भर्ती 90, 120 या 180 दिन में पूरी करने का प्रस्ताव है। प्रश्नपत्र और प्रारंभिक उत्तर कुंजी परीक्षा के 48 घंटे के भीतर जारी करने की बात भी कही गई है। शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति, 15 दिन में शिकायतों के निपटारे और स्वतंत्र भर्ती लोकपाल के समक्ष अपील का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है। हाईकोर्ट ने आवेदन पर सरकार को नोटिस जारी कर पांच जनवरी तक जवाब दायर करने का आदेश दिया है।

जयपुर में कब-कहां, किसकी हत्या हो जाए पता नहीं : खाचरियावास

जयपुर (हिंस)। करधनी थाना इलाके में हिस्ट्रीशीटर की गैंगवार में हुई हत्या के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जयपुर में 40 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं और राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण व वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग भी है, ऐसे में प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी से वे कैसे बच सकते हैं। खाचरियावास ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों की सुरक्षा करना सरकार के लिए अलग बात है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल आम आदमी की सुरक्षा का है। आज जयपुर में न दुकानदार सुरक्षित है, न व्यापारी और न ही आम परिवार। कब, कहां और किसकी हत्या हो जाए, किसी को पता नहीं है। वारदात के बाद पुलिस कुछ समय सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन फिर दूसरी घटना हो जाती है। करधनी में हिस्ट्रीशीटर की हत्या कोई पहली घटना नहीं है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि राजस्थान की जेलों में बंद अपराधी भीतर बैठकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवा रहे हैं। प्रदेश में खुलेआम वसूली का खेल चल रहा है और माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर गैंग बनाने और गैंग के नाम से पोस्ट डालने का सिलसिला जारी है, लेकिन पुलिस की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर पुलिस क्या कर रही है। पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है और अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया है। खाचरियावास ने पुलिस के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जयपुर के थानों में जाने से आम आदमी डरता है। शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार उचित नहीं होता। पत्रकारों के साथ भी पुलिस का रवैया ठीक नहीं है।

उत्तर प्रदेश में ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने किया गठबंधन का एलान

सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले लडेंगे विधानसभा चुनाव



लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चुनाव गठबंधन कर लिया है। उन्होंने इस गठबंधन का नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा है। इसी मोर्चा के तहत उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और चंद्रशेखर मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। गुरुवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दोनों दलों के इन नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता कर इस नए चुनावी गठबंधन की घोषणा की है। दोनों नेताओं एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी और चंद्रशेखर ने बताया कि यह नया मोर्चा उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाना है। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर ने प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यहां कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। दलित व कमजोर वर्ग के लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने एनकाउंटर पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश कमजोर, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा व सम्मान बनाए रखने की है। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से सांसद आसपा नेता चंद्रशेखर ने कहा कि सपा और कांग्रेस भी अगर भाजपा को हराना चाहें तो हम उनके साथ हैं। हम उनके साथ मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने 26 नवंबर को रमाबाई आंबेडकर मैदान लखनऊ में रैली करने की घोषणा की है। साथ ही कहा कि गठबंधन प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इस मौके पर एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चंद्रशेखर मोर्चे के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।

राजस्थान में मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन, 5.26 करोड़ से अधिक मतदाता

जयपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राजस्थान में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 के तहत मतदाता सूचियों का गुरुवार को प्रारूप प्रकाशन कर दिया गया। प्रारूप मतदाता सूची में प्रदेश में कुल 5, 26, 67, 416 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 2, 75, 24, 780 पुरुष, 2, 51, 42, 052 महिला और 584 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि प्रारूप प्रकाशन के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन प्रस्तावित है। प्रारूप मतदाता सूचियों के प्रकाशन के बाद प्रदेश के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के स्तर पर बैठक आयोजित कर मतदाता सूची की एक फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी और एक हार्ड कॉपी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। बूथवार प्रारूप मतदाता सूची सभी बीएलओ के पास भी हार्ड कॉपी में उपलब्ध रहेगी। मतदाता अपना नाम ऑनलाइन भी जांच सकेंगे। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर सूची उपलब्ध कराई गई है। मतदाता अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर भी नाम की जानकारी ले सकते हैं। महाजन ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण और अपडेशन निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद, 75 हजार रुपए जुर्माना

मोहाली (हिंस)। मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने गुरुवार को वर्ष 1992 में लुधियाना के एक ट्रांसपोर्टर के लापता होने के मामले में पंजाब पुलिस के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने बुधवार को रंधावा को दोषी करार दिया था। यह फैसला ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह सकरी के लापता होने के करीब 34 साल बाद आया है, जिन्हें लुधियाना में एक शादी समारोह से पुलिस अपने साथ ले गई थी। इसी मामले में आरोपी बनाए गए सिपाही परमिंदरजीत सिंह उर्फ बब्बू को अदालत ने बरी कर दिया है। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता पुष्पिंदर सिंह नत्त ने बताया कि अदालत ने रंधावा को भारतीय दंड संहिता की धारा 365 (अपहरण) के तहत पांच साल की कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत उन्हें दो साल की कैद और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी। अधिवक्ता नत्त ने बताया कि रंधावा को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। घटना के समय रंधावा तरनतारन में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर तैनात थे। मामले के अन्य आरोपी सहायक उपनिरीक्षक जसवंत सिंह, उपनिरीक्षक सुरिंदर सिंह, निरीक्षक सूबा सिंह और तरनतारन के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह संधू की मामले की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, 25 नवंबर, 1992 को अमरीक सिंह सकरी अपने साले की बेटी की शादी में शामिल होने लुधियाना पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई थी। इसके बाद अमरीक सिंह का कोई पता नहीं चला। अमरीक सिंह के परिवार ने उनकी रिहाई के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और विभिन्न अधिकारियों को तार के माध्यम से सूचनाएं भी भेजीं, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद वर्ष 1996 में अमरीक सिंह सकरी की पत्नी ने सर्वोच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने न्यायालय को बताया कि अमरीक सिंह की मृत्यु हो चुकी है। सरकार ने अपने दावे के समर्थन में उनके भोग से संबंधित विज्ञापन भी अदालत में पेश किए। हालांकि, परिवार ने सरकार के इस दावे को स्वीकार नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब में आतंकवाद के दौरान अज्ञात शवों का गैरकानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। अमरीक सिंह सकरी के लापता होने के मामले को भी इस जांच के दायरे में शामिल किया गया। सीबीआई ने फरवरी, 2000 में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की और वर्ष 2001 में अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया, लेकिन आरोपी पुलिसकर्मियों की दायर याचिकाओं पर विभिन्न अदालतों से सुनवाई पर रोक लगने के कारण मामले की सुनवाई वर्ष 2022 में ही शुरू हो सकी।

सात दिन में 360 उपभोक्ताओं ने कराया सोलर योजना में पंजीकरण

जोधपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को लेकर जोधपुर में उपभोक्ताओं का उत्साह देखने को मिल रहा है। जालोरी गेट स्थित जोधपुर डिस्कॉम के जीएसएस सब स्टेशन के निकट एमएनआरई एवं डिस्कॉम की ओर से लगाए गए सोलर बूथ पर सात दिनों में 360 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है। सिटी एक्सीलरेशन प्रोग्राम के तहत 4 नवंबर से शुरू हुए इस बूथ पर प्रतिदिन पहुंच रहे उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर लगाने की प्रक्रिया, सरकारी सब्सिडी, वेंडर चयन और बिजली बिल में संभावित बचत की जानकारी दी जा रही है। चार और 5 नवंबर को सर्वाधिक 74-74 पंजीकरण हुए। छह नवंबर को 55, 7 नवंबर को 57, 8 नवंबर को 34, 9 नवंबर को 36 तथा 10 नवंबर को 30 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। एमएनआरई के ऋषभ त्यागी ने बताया कि योजना के तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 78 हजार रुपए तक की केंद्रीय वित्तीय सहायता तथा राजस्थान सरकार की ओर से पात्रता के अनुसार 17 हजार रुपए तक की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिल सकती है। उन्होंने बताया कि आवासीय कॉलोनियों की आरडब्ल्यूए भी योजना का लाभ ले सकती हैं। सोसायटियों में लिफ्ट, स्ट्रीट लाइट, पानी की मोटर और कॉमन एरिया की बिजली जरूरतों के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। जोधपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता (पीएमएसजी) प्रहलाद राम ने कहा कि योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए डिस्कॉम लगातार प्रयास कर रहा है। सोलर बूथ पर उपभोक्ताओं को जानकारी और पंजीकरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है।

सरकार के तीन साल पूरे होने पर 8 से 25 दिसंबर तक होंगे प्रदेशभर में कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर 8 से 25 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने प्रस्तावित हैं। कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय में सचिवों की समिति की बैठक लेकर विभागों को तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में तीन दिवसीय ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट को प्रमुख आयोजन के रूप में शामिल किया गया है। इसका आयोजन जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में प्रस्तावित है। इसमें कृषि क्षेत्र में निवेश और निर्यात की संभावनाओं के साथ बागवानी, मोटे अनाज, आधुनिक कृषि तकनीक और जल संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा होगी। युवाओं के लिए नवाचार सम्मेलन, खेलो राजस्थान, शिक्षण संस्थानों में विभिन्न प्रतियोगिताएं और प्रतिभा खोज कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के कार्यक्रमों में राज्य स्तरीय रोजगार उत्सव एवं कौशल मेला, नारी शक्ति सम्मेलन और राष्ट्रीय सरस मेला भी शामिल हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सभी जिलों में शिविर लगाए जाने की योजना है। वहीं शेखावाटी हेरिटेज मीट, प्रवासी राजस्थानी दिवस, जैसलमेर में पर्यटन सम्मेलन और लोक कला उत्सव भी कार्यक्रमों का हिस्सा होंगे। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाने की तैयारी है। सचिवों की समिति की बैठक में वित्त (व्यय), संसदीय कार्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार और कार्मिक विभाग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। वित्त (व्यय) विभाग के अनुसार केंद्र प्रायोजित योजनाओं में केंद्रीय सहायता के मद में अक्तूबर 2026 तक 17, 227.22 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 40.19 प्रतिशत अधिक है। संसदीय कार्य विभाग ने बताया कि पिछली समीक्षा बैठक के बाद 10 नवंबर तक 16वीं विधानसभा के 278 प्रश्नों का निस्तारण किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अनुसार अक्तूबर में राजकाज प्रणाली पर 92, 200 से अधिक नई ई-फाइलें बनाई गईं, जिससे कुल ई-फाइलों की संख्या 55.90 लाख से अधिक हो गई है। कार्मिक विभाग ने वर्ष 2026-27 तक 242 पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों की कार्रवाई पूरी होने की जानकारी दी।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच की आधारशिला रखी

कहा, देश-विदेश की कंपनियां यूपी में कर रहीं निवेश

नोएडा (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यमुना सिटी के सेक्टर-8 में 100 एकड़ मे 1220 करोड रुपए की लागत से बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला लखनऊ से ऑनलाइन रखी। इस दौरान जेवर में आयोजित कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, सीएनएच इंडस्ट्रियल एनवी के सीईओ गेरिट मार्क्स और सीएनएच इंडिया रीजन के प्रेसिडेंट एवं एमडी नरेंद्र मित्तल, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिकारी मौजूद रहे। यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री ने इस कंपनी को वर्चुअल आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विश्वास प्रकट करने के लिए के मै सीएनएच के प्रबंधन का हृदय है आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश में कृषि क्षेत्र, विकास और मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार और व्यापार का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, उसके सामने 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का, अराजकता का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि अच्छी कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेश बढा है। प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग क्षेत्र को मिल रही बेहतरीन सुविधा के चलते देश- विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर यहां पर निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश क्षेत्र के रूप में अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं है, उनके आधुनिकरण के साथ-साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार का सख्त रूख एक प्रमुख कारण रहा है। उन्होंने इस अवसर पर चुटकी लेते हुए कहा कि आपने यूपी के बुलडोजर की जरूर चर्चा सुनी होगी। इसलिए मैं कंपनी से इसबारे में कहूंगा कि आप यूपी में बुलडोजर और ट्रैक्टर की मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आए हैं, तो देश और विदेश में स्वत: ही इसकी डिमांड होगी। बुलडोजर यहां का ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा की उद्योग को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में कई पॉलिसी लागू की गई है। विशाल इंडस्ट्रियल लैंड बैंक नेटवर्क एक मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि निवेश में प्रदेश टॉप पर है। उन्होने कहा कि एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को एक नई ताकत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि टाटा, सैमसंग, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, इंफोसिस, एचसीएल, हिंदूजा ग्रुप आदि के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में संयुक्त ग्रुप से उद्योग का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी तथा खेलकूद जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आज तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। निवेश, नवाचार, रोजगार के नए द्वार ढूंढ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसका विकास 25 हजार हेक्टेयर में किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा जेवर के विकास के साथ इस पूरे क्षेत्र को एक बड़े इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। एयरपोर्ट, एक्सप्रेस-वे, इंडस्ट्रियल लैंड और मॉडर्न कनेक्टिविटी ने इस क्षेत्र को निवेश एक नया केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि आज यहां सेमीकंडक्टर प्लांट, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, अपैरल पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क और डाटा सेंटर पार्क जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाएं विकसित हो रही है। इन सबके पीछे जेवर क्षेत्र के अन्नदाता किसानों का सकारात्मक योगदान रहा है। उन्होंने सभी अन्नदाता किसानों के प्रति हृदय से आभार और अभिनंदन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में कभी गोलियां चलती थी, क्राइम रेट में देश के अंदर सबसे बदनाम क्षेत्र बन गया था, अच्छे जनप्रतिनिधियों के चुनाव होने के कारण जनता के साथ उनके बेहतर संबंध और समन्वय होने के कारण उनके प्रयास से जेवर आज सचमुच भारत का *जेवर* (गहने) के रूप में स्थापित हो रहा है।

लोक आस्था के महापर्व डाला छठ की बिखरने लगी छटा आज नहाय-खाय से होगा चार दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ

काशी में छठी मैया के गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल, घाटों और सरोवरों पर तैयारियां तेज

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में लोक आस्था के महापर्व डाला छठ की छटा बिखरने लगी है। गांव, शहर की गली-मोहल्लों से लेकर घरों और बाजारों तक छठी मैया के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। चार दिवसीय इस महापर्व का शुभारंभ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगा। पर्व को लेकर व्रती महिलाओं और उनके परिजनों में खासा उत्साह है। घरों में साफ-सफाई से लेकर पूजन सामग्री जुटाने और प्रसाद तैयार करने तक की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। छठ पर्व की तैयारियों के मद्देनजर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। बांस से बने सूप, दउरा, डलिया, गन्ना, मौसमी फल और पूजन में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों की दुकानें सज गई हैं। व्रती महिलाओं के परिजन पूजन सामग्री की खरीदारी में जुटे हैं। वहीं, गंगा के विभिन्न घाटों, वरुणा नदी के किनारे तथा शहर के तालाबों और सरोवरों पर व्रतियों के परिजन पूजा की वेदियां बनाने और स्थान सुरक्षित करने में लगे हैं। घरों में छठी मैया के पारंपरिक गीतों के साथ नए भक्ति गीत भी सुनाई दे रहे हैं। *बाट जे पूछेला बटोहिया, बहंगी केकरा के जाय... और कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...* जैसे लोकगीतों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। छठ गीतों की मधुर स्वर लहरियों के बीच काशी में पर्व की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। डाला छठ अब बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रह गया है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों में बसे भारतीय समुदायों के बीच भी इस महापर्व की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। सूर्य उपासना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पारिवारिक मंगलकामना से जुड़ा यह पर्व लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का विशिष्ट उदाहरण बन गया है। साहित्यकार धकाधक बनारसी (श्याम नारायण लाल) के अनुसार, छठ पर्व में भगवान सूर्य की आराधना की जाती है। सूर्य को ऊर्जा, शक्ति और जीवन का मूल स्रोत माना गया है। हिंदू धर्म में सूर्य ऐसे प्रत्यक्ष देवता हैं, जिनके दर्शन प्रतिदिन होते हैं। छठ पूजा के दौरान व्रती महिलाएं कठिन व्रत, तप, त्याग और संयम का पालन कर सूर्यदेव तथा छठी मैया के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट करती हैं। यह पर्व आत्मशुद्धि, अनुशासन और आंतरिक शांति का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया को संतान की रक्षा, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की देवी माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से की गई आराधना से परिवार में सुख-शांति, संतान सुख और स्वस्थ जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है। छठ पूजा का आध्यात्मिक महत्व होने के साथ ही इसका प्रकृति और पर्यावरण से भी गहरा जुड़ाव है। इस पर्व में व्रती महिलाएं नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों में खड़े होकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करती हैं। सूर्य की उपासना के माध्यम से मानव जीवन में प्रकृति और उसके संसाधनों के महत्व को स्वीकार किया जाता है। धकाधक बनारसी के अनुसार, छठ पर्व में स्वच्छता, संयम, नियमित दिनचर्या और प्रकृति के प्रति सम्मान पर विशेष जोर दिया जाता है। व्रती महिलाएं कठिन नियमों का पालन करते हुए इस अनुष्ठान को पूरा करती हैं। पर्व के दौरान जलाशयों और घाटों की सफाई तथा प्राकृतिक पूजन सामग्री के उपयोग की परंपरा भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा सामाजिक एकता और सद्भाव का भी पर्व है। इसमें जाति, वर्ग और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोग समान श्रद्धा के साथ सूर्यदेव की आराधना करते हैं।



छपरा विधायक छोटी कुमारी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण



सारण (हिंस)। छपरा में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर विधायक छोटी कुमारी ने नाथ बाबा घाट, थाना घाट और गौतम ऋषि घाट समेत दर्जनों छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, बैरिकेडिंग और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व से पहले सभी आवश्यक तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी नितेश कुमार व कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. किशोर कुणाल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।



सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है।

कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत



नई दिल्ली। भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं। भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उचित मूल्यांकन पर आईपीओ, एफपीओ और ब्लाक डील के माध्यम से अगले वर्ष भी लगभग 50 अरब डालर की पूंजी जुटाई जा सकती है। विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर विकास संभावनाओं वाली कंपनियां और मजबूत कारोबारी माहौल अनुकूल कर व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा



विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट (जीडब्ल्यू) की पंप स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पालीसिलिकान और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकान परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया। विशाखापत्तनम में आयोजित 31वां सीआईआई साझेदारी सम्मेलन वैश्विक निवेश आकर्षित करने पर केंद्रित है, जिससे 11 लाख करोड़ रुपए तक के कुल निवेश और 2.5 लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

पिछले पांच माह से घरेलू सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित, बांग्लादेश में 52 फीसदी की वृद्धि और पाकिस्तान में भी महंगाई की मार



नई दिल्ली। जहां एक ओर भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें पिछले करीब पांच महीनों से स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में उपभोक्ताओं को लगातार बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के मासिक बजट के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जबकि पड़ोसियों के लिए एलपीजी अब एक महंगा बोझ बन गई है। बांग्लादेश में नवंबर में 12 किलो एलपीजी सिलेंडर का दाम 2,060 टका हो गया है, जो फरवरी से अब तक करीब 52 फीसदी की भारी वृद्धि दर्शाता है। पाकिस्तान में भी एलपीजी की कीमतें आसमान छू रही हैं; 11.8 किलो का घरेलू सिलेंडर अब लगभग 3,470 पाकिस्तानी रुपए का हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुछ इलाकों में यह खुले बाजार में 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जो आम जनता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत, भारत में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम जून 2023 से अपरिवर्तित हैं, दिल्ली में यह 942 रुपए पर कायम है। हालांकि भारत अपनी अधिकांश एलपीजी आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतें तथा आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण आयात लागत बढ़ी है, सरकार और सरकारी तेल कंपनियां लागत का बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी आमतौर पर तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान शानदार बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी सुबह तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान चौतरफा लिवाली का माहौल रहा, जहां सभी प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आम तौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया में ज्यादातर प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी सुबह जोरदार बढ़त दिखा रहा है।



अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर बेहतरीन तेजी देखने को मिली। नियोक्लाउड कंपनी कोरवीव के मजबूत नतीजों ने एआई ट्रेड को लेकर निवेशकों की चिंताओं को कम किया। वहीं, लगातार दो सत्रों की भारी गिरावट के बाद एनवीडिया के शेयरों में भी स्थिरता लौटी। इस सपोर्ट के कारण डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 254.60 अंक यानी 0.49 प्रतिशत बढ़ कर 52,486.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 98.45 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,619.38 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 400.31 अंक यानी 1.60 प्रतिशत चढ़ कर 25,466.19 अंक के स्तर पर पहुंच गया। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 80.72 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,567.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 99.57 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज करते हुए 8,332.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स भी 315.32 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,662.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में भी मजबूती का रुख बना रहा। यह सूचकांक 83.88 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,835.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन सकारात्मक संकेतों के बीच एशियाई बाजार में मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। वहीं, दो सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी सुबह 171.50 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की जोरदार बढ़त के साथ 25,397 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इंडोनेशिया के बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है, जहां जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 78.86 अंक यानी 1.54 प्रतिशत उछल कर 5,193.90 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी मजबूती का माहौल है। यह सूचकांक फिलहाल 17.79 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,393.15 अंक के स्तर पर आ गया है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 7.41 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,688.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसके अलावा जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 111.41 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61,360 अंक के स्तर पर बना हुआ है। थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी मामूली सुधार दिख रहा है। यह सूचकांक फिलहाल 1.05 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,503.16 अंक के स्तर पर काम कर रहा है। इसी तरह सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 1.03 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 5,292.05 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

दूसरी ओर, हान्गकान्ग के शेयर बाजार में सुस्ती का रुख हावी है, जहां हैंगसेंग इंडेक्स 239.92 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,076 अंक के स्तर पर फिसल गया है। इसी तरह ताइवान स्टाक एक्सचेंज पर भी दबाव बना हुआ है। इस दबाव की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स 433.91 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,823.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ



नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है।

इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है।

यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है। इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है। कंपनी ने कहा कि दो नवंबर, 2026 को विशेष प्रस्ताव के माध्यम से शेयरधारकों से मिली मंजूरी के तहत उसे निर्गम के लिए निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर पांच प्रतिशत तक की छूट देने का अधिकार भी मिला है।

अक्टूबर में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में लौटा निवेश, 3,514 करोड़ आए

सितंबर में इन फंडों से 457 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी

नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान अक्टूबर में हाइब्रिड फंड की ओर फिर बढ़ा है। सितंबर में इन फंडों से 457 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि अक्टूबर में 3,514 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। हालांकि, हाइब्रिड फंड की सभी श्रेणियों में निवेश का रुझान एक जैसा नहीं रहा। आर्बिट्राज फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया, जबकि कुछ अन्य श्रेणियों से निवेशकों ने रकम निकाली।



एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की सात श्रेणियों में कुल 191 योजनाएं शामिल थीं। इनका कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति मूल्य 31 अक्टूबर तक 11.49 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। अक्टूबर में आर्बिट्राज फंड सबसे आगे रहे। इस श्रेणी में 3,929 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इसके अलावा मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में 1,515 करोड़ रुपये और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड में 355 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। जानकारों के अनुसार, सितंबर में तिमाही समाप्त होने के कारण आर्बिट्राज फंड से निकासी हुई थी। अक्टूबर में नई तिमाही शुरू होने के साथ निवेशकों ने फिर पैसा लगाना शुरू किया। हालांकि, मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश की रफ्तार काफी धीमी हुई है। सितंबर में इस श्रेणी में 3,667 करोड़ रुपये आए थे, जबकि अक्टूबर में यह घटकर 1,515 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह करीब 59 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ये फंड शेयर, डेट और सोने जैसी अलग-अलग संपत्तियों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, इक्विटी सेविंग्स फंड से 1,133 करोड़ रुपये, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड से 853 करोड़ रुपये और कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड से 349 करोड़ रुपये की निकासी हुई। आंकड़ों से स्पष्ट है कि अक्टूबर में हाइब्रिड फंड में निवेश की वापसी मुख्य रूप से आर्बिट्राज फंड के कारण हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों को किसी एक महीने के आंकड़ों के बजाय अपनी जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखकर निवेश करना चाहिए।

एमएससीआई रिव्यू: एलआईसी और मीशो समेत 4 दिग्गज कंपनियों को ग्लोबल इंडेक्स में मिली जगह

नई दिल्ली

ग्लोबल इंडेक्स सर्विस प्रोवाइडर एमएससीआई (मार्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल) ने अपने नवंबर 2026 के तिमाही समीक्षा के नतीजों की घोषणा कर दी है। इस ताजा फेरबदल में भारतीय शेयर बाजार की चार दिग्गज कंपनियों को एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में जगह मिली है। शामिल होने वाली कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), कोफोर्ज, अदाणी ग्रीन एनर्जी और ई-कामर्स कंपनी मीशो के नाम प्रमुख हैं। दूसरी ओर पीआई इंडस्ट्रीज को इस सूचकांक से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ये सभी नए बदलाव 30 नवंबर को बाजार बंद होने के बाद प्रभावी रूप से लागू किए जाएंगे।

इस बड़े बदलाव से भारतीय बाजार में विदेशी निवेश का प्रवाह और तेज होने की उम्मीद है। नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के अनुमान के मुताबिक, ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल होने से इन चारों कंपनियों में फारेन कैपिटल इनफ्लो तेज हो सकता है। इसमें सबसे ज्यादा 63 करोड़ डालर का संभावित निवेश कोफोर्ज के शेयरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा एलआईसी में 46.8 करोड़ डालर, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 34.8 करोड़ डालर और मीशो में 30.7 करोड़ डालर का विदेशी निवेश आ सकता है। इसके विपरीत, पीआई इंडस्ट्रीज के इंडेक्स से बाहर होने के कारण इस स्टाक से लगभग 11.9 करोड़ डालर की पूंजी निकलने (फारेन कैपिटल आउटफ्लो) की आशंका जताई गई है।



नई कंपनियों को शामिल करने के साथ ही एमएससीआई ने 11 मौजूदा भारतीय कंपनियों का वेटेज भी बढ़ाया है। इन कंपनियों में ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स, लेंसकार्ट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी एनर्जी सोल्यूशंस, कोल इंडिया और पेटीएम शामिल हैं। इसके अलावा भारत फोर्ज, आरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज, जायडस लाइफसाइंसेज, वेदांता और बाश का भी वेटेज बढ़ा है। इस बढ़ोतरी से इन शेयरों में 1 करोड़ से लेकर 9.7 करोड़ डालर तक का नया निवेश आ सकता है। दूसरी तरफ, एनटीपीसी, आयशर मोटर्स, ग्रासिम, आरईसी, हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स, सिप्ला, गेल, एमआरएफ और सीमेंस इंडिया का वेटेज घटाया गया है, जिससे इनमें पूंजी निकासी देखने को मिल सकती है।

वैश्विक स्तर पर एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में शामिल होने वाली तीन सबसे बड़ी नई कंपनियों में भारत की एलआईसी ने भी अपनी जगह बनाई है। इस रिव्यू के बाद इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में भारत का कुल वेटेज 12.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13.15 प्रतिशत होने का अनुमान है। मुख्य सूचकांक यानी एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के अलावा एमएससीआई इंडिया स्माल कैप इंडेक्स में भी बड़ा उलटफेर हुआ है। इस इंडेक्स में पीआई इंडस्ट्रीज, शैडोफैक्स टेक्नोलाजीस, अपोलो माइक्रो सिस्टम्स और हुडको समेत कुल 11 नई कंपनियों को जोड़ा गया है। इन शेयरों में 2 लाख से 1.8 करोड़ डालर तक का निवेश आने की संभावना है। वहीं, स्माल कैप इंडेक्स से कुल 29 कंपनियों को बाहर निकाला गया है। बाहर होने वाली प्रमुख कंपनियों में कोफोर्ज, एचसीसी, प्राज इंडस्ट्रीज, अरविंद फैशन्स, हैप्पिएस्ट माइंड्स, इंडिया सीमेंट्स, टीटीके प्रेस्टीज, शक्ति पंप्स, आदित्य बिड़ला फैशन्स और सेनको गोल्ड के नाम शामिल हैं। कोफोर्ज को अपग्रेड करके स्टैंडर्ड इंडेक्स में ले जाने के कारण स्माल कैप से हटाया गया है। वहीं, पीआई इंडस्ट्रीज को डाउनग्रेड कर एमएससीआई इंडिया स्माल कैप इंडेक्स में शामिल किया गया है।



केविन मैलाय बने न्यूजीलैंड क्रिकेट के नए अध्यक्ष, डायना पुकेतापु-लिंडन का नौ साल का कार्यकाल पूरा

वेलिंगटन

केविन मैलाय को न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) का नया अध्यक्ष चुना गया है। डायना पुकेतापु-लिंडन के बोर्ड से हटने के बाद 132वीं वार्षिक आम बैठक के तुरंत बाद हुई बोर्ड की बैठक में मैलाय को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। पुकेतापु-लिंडन ने निदेशक के रूप में अधिकतम नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ा है।

पुकेतापु-लिंडन 2017 में न्यूजीलैंड क्रिकेट के बोर्ड से जुड़ी थीं। वर्ष 2023 में वह एनजेडसी की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला और माओरी मूल की पहली व्यक्ति बनी थीं। मैलाय 2019 से बोर्ड के निदेशक हैं और इससे पहले उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

मैलाय ने न्यूजीलैंड, न्यूयार्क, हांगकांग और लंदन में विज्ञापन एवं विपणन के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने वैश्विक मीडिया एजेंसी स्टारकाम के साथ 29 वर्ष बिताए। इस दौरान वह अंतरराष्ट्रीय परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कोका-कोला तथा प्राक्टर एंड गैंबल के वैश्विक खातों के निदेशक रहे। उन्होंने विवाकी के आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड परिचालन के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। वह सुपर रग्बी पैसिफिक के अध्यक्ष के रूप में अपना तीन वर्ष का कार्यकाल दिसंबर में पूरा करेंगे। इसके अलावा वह कीवीबैंक और टूरिज्म न्यूजीलैंड के बोर्ड में भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उनकी नियुक्ति पर जारी बयान में कहा, वह खेल प्रशासन में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक नेतृत्व का तीन दशकों का अनुभव इस पद पर लेकर आए हैं।

रेविन लवेट और जोनो ब्रेंट बोर्ड में शामिल - बोर्ड नियुक्ति पैनल की सिफारिश पर रेविन लवेट ओएनजेडएम और जोनो ब्रेंट को बोर्ड का नया सदस्य चुना गया। वहीं, तीन वर्ष के कार्यकाल के नवीनीकरण के लिए सामने आईं अन्ना कैंपबेल और अली शैंक्स को दोबारा चुना गया। माइक डेवोनशायर का कार्यकाल भी नवीनीकरण के लिए आया था, लेकिन पैनल ने उन्हें दोबारा नियुक्त करने की सिफारिश नहीं की। वह तीन वर्ष की सेवा के बाद बोर्ड से बाहर हो गए।

बोर्ड ने रेविन लवेट के बारे में कहा, लवेट के पास न्यूजीलैंड और अंतरराष्ट्रीय खेलों में दो दशक से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है। वह स्पोर्ट न्यूजीलैंड, हाई परफार्मेंस स्पोर्ट न्यूजीलैंड और नेटबाल न्यूजीलैंड की अध्यक्ष रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं और खेल पर अंतरराष्ट्रीय कार्य समूह की सह-अध्यक्षता भी की है।

जोनो ब्रेंट के बारे में बोर्ड ने कहा, ब्रेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में मुख्य कार्यकारी के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने तीन वर्ष तक कैंटरबरी क्रिकेट की अध्यक्षता की और पिछले 12 महीनों से कम्युनिटी क्रिकेट न्यूजीलैंड की रणनीति तैयार करने का नेतृत्व कर रहे हैं।

डायना के योगदान के लिए मैलाय ने जताया आभार - नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के बाद मैलाय ने कहा, मैं सबसे पहले डायना को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस बोर्ड को नौ वर्ष की सेवाएं दीं और खेल के हालिया इतिहास के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में वास्तविक साहस के साथ नेतृत्व किया। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व करने का अवसर मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इस जिम्मेदारी को इस गहरी समझ के साथ स्वीकार करता हूं कि यह खेल न्यूजीलैंड के बहुत से लोगों के लिए कितना मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, पिछले तीन वर्षों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए मैं माइक डेवोनशायर को धन्यवाद देता हूं। मैं रेविन और जोनो का भी स्वागत करना चाहता हूं, जो प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन और सामुदायिक क्रिकेट का शानदार अनुभव लेकर आए हैं। मैलाय ने कहा कि वैश्विक क्रिकेट के मौजूदा परिदृश्य में न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना जरूरी है। उन्होंने कहा, क्रिकेट का परिदृश्य यहां और दुनिया भर में तेजी से बदल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी



मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी आक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी आक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है।, जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है। कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

सूर्यकुमार ने फिर वापसी का प्रयास शुरु किया, खेल के प्रति पुराना जुनून जगाया

मुम्बई। टी20 विश्व कप के बाद कप्तानी के साथ ही टीम से बाहर किये गये सूर्यकुमार यादव एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं।



सूर्या घरेलू मुश्ताक अली ट्राफी में मुम्बई की कप्तानी करते दिखेंगे। सूर्यकुमार का कहना है कि उन्होंने अब क्रिकेट के प्रति अपना पुराना लगाव और जुनून फिर से हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार ने 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में अपना आखिरी मुकाबला खेला था, जहाँ भारत ने 96 रन से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि खितबी मुकाबले में सूर्यकुमार पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे। इससे पहले भी उनका बल्ला लगातार खामोश रहा था, और खराब प्रदर्शन के चलते आखिरकार उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था। वहीं इसके बाद सूर्यकुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, टी20 विश्व कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। मै इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ना चाहता। साथ ही कहा कि अगर आप खुद के प्रति ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि इसी साल मई में बेटी के जन्म ने उन्हें इस मानसिक उथल-पुथल से बाहर निकलने में काफी मदद की। इस बल्लेबाज ने भावुक होते हुए कहा, सच कहूं तो टीम से बाहर होना मेरे लिए बहुत कठिन रहा लेकिन इसी दौरान आईपीएल के समय मई में मेरे घर बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद मेरा पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद बीते कुछ महीने मेरे लिए बेहद खूबसूरत रहे हैं। धीरे-धीरे उनका ध्यान फिर क्रिकेट की ओर लौटने लगा। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सोचा कि क्यों न फिर से उसी तरह सोचना शुरू करूं, जैसे अपने करियर की शुरुआत में सोचता था।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिए केएल राहुल हो सकते हैं पहली पसंद : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के रिटेंशन की समयसीमा से पहले ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में वापस शामिल कर लिया है। सौरव गांगुली, युवराज सिंह, अमित मिश्रा और चामिंडा वास जैसे दिग्गजों से सजे नए कोचिंग स्टाफ के बीच अब टीम की कप्तानी और बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और जियोस्टार विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के प्रबल दावेदार हो सकते हैं।



जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने पंत की वापसी के बाद दिल्ली कैपिटल्स के संभावित बल्लेबाजी संयोजन, अब तक हुए दो ट्रेड और टीम के कप्तानी विकल्पों पर चर्चा की।

आकाश चोपड़ा ने दिल्ली की कप्तानी को लेकर कहा, वास्तव में यहां कई सवाल हैं। यह बहुविकल्पीय प्रश्न जैसा है कि कप्तान कौन होगा ऋषभ पंत कप्तानी के दावेदार रहे हैं, केएल राहुल भी एक विकल्प हैं और मैं सुन रहा हूं कि अक्षर कप्तान नहीं बनना चाहते। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह भी स्पष्ट नहीं है कि टीम की कप्तानी कौन करेगा। फिलहाल केएल राहुल कप्तान हो सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अब जब आपने ऋषभ पंत को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल किया है, तो उन्हें शीर्ष चार में बल्लेबाजी करनी चाहिए। यदि आप उन्हें इससे नीचे बल्लेबाजी कराते हैं, तो उनकी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। मुझे लगा कि उस ट्रेड में लखनऊ सुपर जायंट्स को ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि उस पिच के लिए कुलदीप जैसे स्टर के गेंदबाज के बदले आप इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकते थे।

चोपड़ा ने दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी पर चिंता जताते हुए कहा कि टीम के सामने तेज गेंदबाजी का सही संयोजन तैयार करने की चुनौती होगी। उन्होंने खास तौर पर मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, आशुतोष, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स और अक्षर पटेल के अलावा आपके पास डेविड मिलर भी हैं। इसलिए बल्लेबाजी का संयोजन काफी अच्छा है। उनके लिए समस्या का क्षेत्र गेंदबाजी विभाग होगा। मिचेल स्टार्क खेलेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल होगा। उनकी उपलब्धता को लेकर चर्चा करनी पड़ेगी। इस सत्र में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी और उसे मजबूत करने की योजना को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वे इसे कैसे संभालेंगे, मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

चोपड़ा ने खिलाड़ियों पर खर्च की गई रकम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मुकेश कुमार आठ करोड़ रुपये में हैं, आकिब नबी 8.4 करोड़ रुपये में हैं और मिचेल स्टार्क की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये है। यह काफी बड़ी रकम है। लुंगी एनगिडी को दो करोड़ रुपये में सस्ते में लिया गया था और वह शानदार सौदा साबित हुए। दुश्मंथा चमीरा और काइल जैमीसन भी ज्यादा महंगे नहीं थे। लेकिन महंगे खिलाड़ी शायद उपलब्ध न हों। उनकी क्षमता और मौजूदा फार्म को लेकर भी अनिश्चितता है। मुकेश कुमार के टी20 आंकड़ों में भी थोड़ी गिरावट आई है।

पंत और राहुल से पारी की शुरुआत कराने के पक्ष में मुकुंद - अभिनव मुकुंद ने पंत की वापसी के बाद दिल्ली कैपिटल्स को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी संयोजन पर दोबारा विचार करने की सलाह दी। उन्होंने पंत को शीर्ष तीन में खिलाने और केएल राहुल के साथ पारी की शुरुआत कराने का सुझाव दिया।

मुकुंद ने कहा, मैं चाहूंगा कि ऋषभ शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करें। यदि दिल्ली कैपिटल्स इस क्षेत्र में बदलाव करना चाहती है, तो पंत और राहुल से पारी की शुरुआत क्यों नहीं कराई जाए इस टीम के साथ मैं सबसे पहले यही करना चाहूंगा, क्योंकि मुझे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को लेकर थोड़ी परेशानी महसूस हुई। टीम में शीर्ष क्रम के इतने सारे विकल्प हैं।

उन्होंने कहा, पृथ्वी शा, नितीश राणा, अभिषेक पोरेल, पथुम निसांका, करुण नायर और साहिल परख जैसे खिलाड़ी हैं, जो शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में आप ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज को भी शीर्ष क्रम में खिलाना चाहेंगे, क्योंकि अब आपने उन्हें टीम में शामिल किया है। पिछले दो वर्षों में चौथे और पांचवें नंबर पर उन्हें बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिली है। हालांकि, दिल्ली में यह स्थिति बदल सकती है, क्योंकि अपने शुरुआती वर्षों में वह दिल्ली के लिए मध्यक्रम में काफी सफल रहे थे।

मुकुंद ने आगे कहा, यदि आप उन्हें चौथे नंबर पर खिलाना चाहते हैं, तो उन्हें वहीं रखें। इससे आपके पास बाकी कई विकल्पों का इस्तेमाल करने का मौका होगा। इसके अलावा टीम में नया सहयोगी स्टाफ भी है, जिसमें दादा, युवी पा और अन्य लोग शामिल हैं। इसलिए उनकी रणनीति क्या होगी, यह कहना मुश्किल है। हमें इंतजार करना होगा कि वे किस तरह की टीम तैयार करते हैं।

अभिनव मुकुंद ने टी. नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ट्रेड कर जीशान अंसारी को टीम में शामिल करने के दिल्ली कैपिटल्स के फैसले पर भी हैरानी जताई। उन्होंने कहा, मैं काफी हैरान था कि उन्होंने नटराजन को रिलीज किया या यूं कहें कि जीशान अंसारी के बदले ट्रेड कर दिया। उनके पास पहले से ही विप्रज निगम हैं, जो काफी हद तक वैसे ही खिलाड़ी हैं। वह लेग स्पिनर हैं और बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल, विप्रज और अब कितने स्पिनरों को आप टीम में खिलाएंगे मुझे लगा कि इस ट्रेड से सनराइजर्स हैदराबाद को दिल्ली कैपिटल्स की तुलना में ज्यादा फायदा हुआ है।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए ब्रेट रैंडेल को किया टीम में शामिल

वेलिंगटन



भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम वनडे के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक पदार्पण नहीं करने वाले रैंडेल हाल ही में डर्बीशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलकर लौटे हैं। उनसे इस सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है।

वहीं, क्लार्कसन न्यूजीलैंड के लिए अब तक छह वनडे मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का फैसला चोटों की समस्या, खासकर तेज गेंदबाजी विभाग में खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण लिया गया है।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिलती है, तो यह हमेशा खास मौका होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने इस अवसर को हासिल किया है।

उन्होंने कहा, पूरी सीरीज के दौरान टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। ऐसे में हम भाग्यशाली हैं कि ब्रेट और जोश को टीम में शामिल कर सके। इस साझांत मौसम अच्छा रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि सीरीज का समापन शानदार अंदाज में होगा।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के पाथवे कोच मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइल्स भी राब वाल्टर और मार्टिन गुप्टिल के साथ टीम से जुड़ गए हैं। वहीं, गेंदबाजी कोच जैकब ओरम, बल्लेबाजी कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए वेलिंगटन रवाना हो गए हैं।

चौथे वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर) और विल यंग।

पांचवें वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है। हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबाल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा।

वर्ल्ड टेनिस लीग का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

बेंगलुरु

वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारों के साथ भारत के शीर्ष और उभरते खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन केएसएलटीए के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में किया जाएगा।

आइकोनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह लीग अपने पांचवें सत्र में प्रवेश कर रही है। आयोजकों के अनुसार, पिछले पांच सत्रों में इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कई बड़े नामों को एक मंच पर लाकर भारतीय टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी अलग पहचान बनाई है।

पिछले सत्र में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर डब्ल्यूटीएल में वापसी करेंगे। इनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रिवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। इनके अलावा इस सत्र में स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा।

हर सत्र के साथ लीग का स्तर बढ़ाने की कोशिश : महेश भूपति - वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, पिछला सत्र वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक अध्याय रहा। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण देखने को मिला, जिन्होंने कुछ यादगार टेनिस मुकाबले पेश किए। प्रशंसकों की प्रतिक्रिया और प्रतियोगिता के आसपास का उत्साह एक विशिष्ट वैश्विक टेनिस आयोजन तैयार करने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती देता है।



उन्होंने कहा, पांचवें सत्र में प्रवेश करते हुए हमारा लक्ष्य इस गति को आगे बढ़ाना, लीग को नए दर्शकों तक पहुंचाना और प्रत्येक संस्करण के साथ इसका स्तर और ऊंचा करना है।

बेंगलुरु में वापसी को लेकर उत्साहित : हेमाली शर्मा - लीग की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने कहा, हमें वर्ल्ड टेनिस लीग को फिर से बेंगलुरु लाकर बेहद खुशी हो रही है। इस शहर की खेल संस्कृति मजबूत है और यहां टेनिस के प्रशंसकों की अच्छी संख्या है। ऐसे में यह पांचवें सत्र के लिए एक शानदार आयोजन स्थल है।

उन्होंने कहा, इस बार भी प्रतियोगिता में कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भारत की स्थापित और उभरती टेनिस प्रतिभाएं एक मंच पर आएंगी। हम प्रशंसकों को एक यादगार अनुभव देने के साथ-साथ भारत में टेनिस प्रतिभा की गहराई का जश्न मनाने और एक और रोमांचक सत्र के लिए शानदार खिलाड़ियों को एक साथ लाने के लिए उत्सुक हैं। आयोजकों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और भारत में मजबूत होते टेनिस ढांचे के बीच डब्ल्यूटीएल अंतरराष्ट्रीय टेनिस को भारतीय प्रशंसकों के करीब लाने का मंच बन रही है। साथ ही यह भारतीय उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देती है। पांचवें सत्र के खिलाड़ियों और टीमों की पूरी सूची आने वाले दिनों में घोषित की जाएगी।

फीफा ने 2031 और 2035 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली

फीफा ने 2031 और 2035 महिला फुटबाल विश्व कप की मेजबानी के लिए पेश की गई संयुक्त बोलियों की मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है। दोनों बोलियों ने मेजबानी के लिए निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा किया है। अब इस महीने के अंत में फीफा के सदस्य इन पर मतदान करेंगे।

2031 विश्व कप की मेजबानी के लिए अमेरिका, मैक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने संयुक्त बोली पेश की है। वहीं, 2035 संस्करण के लिए इंग्लैंड, स्काटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड ने मिलकर दावेदारी की है। फीफा की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बोलियां 23 नवंबर को होने वाली फीफा की विशेष कांग्रेस में मतदान के लिए योग्य हैं।

2031 विश्व कप में 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद - फीफा की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2031 विश्व कप की बोली मजबूत आधार पर तैयार की गई है। अमेरिका हाल ही में मैक्सिको और कनाडा के साथ पुरुष विश्व कप की संयुक्त मेजबानी कर चुका है। इसके अलावा उसने 2025 में क्लब विश्व कप का भी आयोजन किया था। 2031 महिला विश्व कप में करीब 45 लाख दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

चारों देशों की संयुक्त बोली में कुल 20 स्टेडियमों को प्रस्तावित मेजबान स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इनमें 14 स्टेडियम अमेरिका, चार मैक्सिको और एक-एक जमैका तथा कोस्टा रिका में हैं। प्रस्ताव में शामिल वाशिंगटन डीसी का नया आरएफके स्टेडियम अभी निर्माणाधीन है, जबकि अन्य प्रस्तावित स्थल पहले से मौजूद हैं।

फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए चार स्टेडियमों के नाम प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें अटलांटा का मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम, डलास के पास स्थित एटी एंड टी स्टेडियम, लास एंजिलिस का सोफाई स्टेडियम और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम शामिल हैं।



अमेरिका के प्रस्तावित सात स्टेडियमों और मैक्सिको के एक स्टेडियम में कृत्रिम सतह है। विश्व कप मुकाबलों के आयोजन के लिए इन सभी मैदानों पर प्राकृतिक घास लगानी होगी। इस साल पुरुष विश्व कप के दौरान भी सिएटल के ल्यूमेन फील्ड सहित कई स्टेडियमों में अस्थायी रूप से प्राकृतिक घास की पिचें तैयार की गई थीं।

फीफा ने बताया कि अमेरिकी सरकारी एजेंसियों ने समर्थन पत्र भेजकर आव्रजन, वीजा, कार्य परमिट और सुरक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

फीफा ने रिपोर्ट में कहा, इसलिए, हालांकि कुछ प्रतिबद्धताओं के लिए आगे और बातचीत की आवश्यकता है, लेकिन यह भरोसा करने का मजबूत आधार है कि संबंधित सरकारी एजेंसियों के साथ निरंतर संवाद और सहयोग से टूर्नामेंट का सफल आयोजन और संचालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, यदि बोली सफल रहती है।

2035 विश्व कप के लिए 15 शहर और 19 स्टेडियम प्रस्तावित - 2035 विश्व कप के लिए चारों मेजबान देशों ने अपनी संयुक्त बोली की थीम आल टुगेदर रखी है। फीफा की रिपोर्ट के अनुसार, यह बोली चारों सदस्य संघों की साझा प्रतिबद्धता और बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के उनके अनुभव पर आधारित है। इसमें यूईएफए महिला यूरो 2022 और यूईएफए यूरो 2028 का उल्लेख किया गया है।

इस टूर्नामेंट के लिए चारों देशों में 15 मेजबान शहर और 19 स्टेडियम प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें इंग्लैंड के 14, आयरलैंड के दो, स्काटलैंड का एक और वेल्स के दो स्टेडियम शामिल हैं। फाइनल मुकाबला लंदन के वेम्बले स्टेडियम में कराने का प्रस्ताव है।

ब्राजील में होने वाले अगले महिला विश्व कप का ड्रा 11 दिसंबर को - फीफा ने अगले वर्ष ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के ड्रा की प्रक्रिया की भी घोषणा की। टूर्नामेंट का ड्रा 11 दिसंबर को रियो डी जेनेरियो में आयोजित किया जाएगा। ड्रा के लिए टीमों को आठ-आठ के चार पाट में रखा जाएगा। रैंकिंग में शीर्ष चार स्थानों पर रहने वाली टीमों को इस तरह अलग-अलग ग्रुप में रखा जाएगा कि यदि वे अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहती हैं, तो टूर्नामेंट के अंतिम चरण से पहले उनका आमना-सामना नहीं होगा।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ



सुनील कुमार
पुलिस उप महानिरीक्षक, रेंज
सी.आर.पी.एफ., राँची

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस पर्व में सदियों से गंगा नदी व अन्य सरोवरों में सभी जाति व धर्मों के लोग कतारवद्ध होकर अपने आराध्य देव सूर्य भगवान की आराधना करते हैं। यह झलक अपने आप में वसुधैव कुटुंबकम को दर्शाता है। इस पर्व की यह भी मान्यता है कि जिस स्त्री-पुरूष ने इस पर्व को पूरी आस्था, भावना एवं धार्मिक रीति-रिवाज के साथ किया, उन्हें भगवान सूर्य ने शीघ्र ही मनोवांछित फल प्रदान किया। कहा जाता है-

बांझन के पुत्र देहलु, निर्धन के माया।
रोगी के निरोग कईलू और मनसा सब के पुरैलू।

छठ पर्व कैसे और कब से मनाया जाता इसके पीछे अनगिनत कहानियां है जो वेद और पुराण से सुनने को मिलता है। यह कटु सत्य है कि जो व्यक्ति इस रहस्मय कथा को श्रद्धा से श्रवण करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। भविष्य पुराण के अनुसार इस व्रत को सबसे पहले नागकन्या ने किया था व इस नागकन्या से सुनकर सुकन्या ने च्यवन ऋषि के पुत्र को लौटाया था। इसी कथा का अनुकरण करते हुए पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी ने पुरोहित महाराज धौम्य से इस महान पर्व के विधि-विधान का श्रवण कर इस व्रत को कर अपने पतियों का राज-पाट एवं राजलक्ष्मी को प्राप्त कराया था। कथा इस प्रकार है कि, पाण्डव ने अपने वनवासी जीवन में भोजपत्र पहनकर संकटों का सामना करते हुए निवास कर रहे थे। तब उनके निवास स्थान पर ब्रहम देवता तपो रूप अठ्ठासी हजार मुनि आ पहुंचे, जिससे महाराज युधिष्ठिर यह सोचकर घबरा उठे कि मेरे आंगन में पधारे महात्माओं के भोजन का प्रबंधन कैसे होगा? इस दृश्य को देखकर द्रौपदी अत्यंत दुख से व्याकुल हो गई और इस समस्या के निवारण के लिए अपने पुरोहित महाराज धौम्य के पास जाकर विनम्रता पूर्वक उपाय मांगा। प्रत्युत्तर में महाराज धौम्य ने द्रौपदी से कहा कि तुम भी वही सूर्य षट्ठी व्रत करो जिस व्रत को पूर्वकाल में नागकन्या के उपदेश से सुकन्या ने किया था, जिसके परिणामस्वरूप उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हुई थी। इस कथा को विस्तारपूर्वक बतलाते हुए महाराज धौम्य ने द्रौपदी से कहा कि, सुनो सत्ययुग में एक शर्याति नामक राजा था जिन्हें एक हजार स्त्रियां थीं परंतु उनसे एक ही कन्या उत्पन्न हुई थी। पिता का प्रिय होने के कारण उस कन्या का नाम सुकन्या पड़ा।



एक समय राजा शर्याति मृग शिकार के लिए मंत्री, सेना, बड़े-बड़े योद्धा और पुरोहित को लेकर जंगल की ओर गए। शिकार खेलने के निमित राजा को जंगल में वास करते हुए कई दिन व्यतीत हो गए। एक समय की बात है कि सखियों के साथ सुकन्या फूल लेने हेतु जंगल गई। वहां पर च्यवन मुनि का स्थान था जहां पर मुनिवर च्यवन ध्यान मग्न हो तपस्या में लिन थे। कठोर तपस्या के कारण मुनि के शरीर में केवल हड्डियां ही दिखाई दे रही थी तथा साथ ही उनके पूरे शरीर को दीमक ने खा लिया था। दीमक के खाने की वजह से उनके शरीर की हड्डी के अतिरिक्त आंख के स्थान पर दो छीद्र दिखाई दे रहे थे। सुकन्या, च्यवन मुनि के इस रूप को देखकर विस्मित हो गई और मुनि की दोनों आंखे कांटों से फोड़ दी। परिणामस्वरूप, मुनि के नेत्रों से रक्त की धारा बहने लगी। सुकन्या द्वारा च्यवन मुनि के नेत्र फोड़े जाने के कारण राजा और सेना का मल-मूत्र आदि बंद हो गया। मल-मूत्र बंद हो जाने के कारण व्याकुल होकर तीन दिन बाद राजा ने अपने पुरोहित से इसका कारण पूछा। प्रत्युत्तर में पुरोहित ने अपने दिव्य दृष्टि से देखकर राजा से कहा कि हे राजन्! आपकी कन्या ने अज्ञानवश च्यवन मुनि के दोनों नेत्र कांटों से फोड़ दिया है। जिससे रूधिर बह रहा है। उन्हीं के क्रोध से आपको यह कष्ट झेलना पड़ रहा है। अत: इस कष्ट से निवारण हेतु आपका कर्तव्य बनता है कि आप मुनि की सेवा के लिए अपने कन्या सुकन्या को मुनि को दान कर दें। राजा अपने पुरोहित के आदेश को मानते हुए अपनी बेटी सुकन्या को मुनि की सेवा में अर्पित कर दिया, जिससे मुनि प्रसन्न हो गए और उस दिन से राजा के सारे कष्ट समाप्त हो गए। सुकन्या च्यवन मुनि की सेवा करते हुए एक दिन कार्तिक मास में जल लेने हेतु पुष्करिणी (छोटे तालाब) में गई जहां उन्होंने अनेकों आभूषणों से युक्त नागकन्या को देखा। वह नागकन्या भगवान सूर्य की अराधना कर रही थी। इसे देखकर सुकन्या ने नागकन्या से पूछा कि यह आप क्या कर रही है? सुकन्या के इस मधुर वचन को सुनकर नागकन्या ने कहा कि मैं नागकन्या हूं और मैं सभी सुखों को देने वाले भगवान सूर्य की पूजा कर रही हूं। नागकन्या ने इस पूजा के विधि-विधान को बताते हुए कहा कि कार्तिक शुल्क षष्ठी को सप्तमी युक्त होने पर सर्वमनोरथ सिद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। व्रती को चाहिए कि वे पंचमी के दिन नियम से व्रत को धारण करें। सांयकाल में खीर का भोजन करके जमीन पर सोए, छठ के दिन निर्जला रहें और अनेक प्रकार के फल और पकवान विशेषकर गुड़ से बना आटे का ठेकुआ आदि का नैवेद्य और सूर्य भगवान की प्रसन्नता के लिए गीत-वाद्य आदि गा-बजाकर उत्सव मनावे। जब तक सूर्यनारायण का दर्शन न हो तब तक व्रत को धारण किए रहें। प्रात: काल सप्तमी को सूर्यनारायण के दर्शन कर अर्घ्य देवे और सूर्य भगवान के बारह नाम का मनन कर दण्डवत प्रणाम करते हुए अर्घ्य देवे। इस प्रकार इस व्रत को विधिपूर्वक करने से सूर्य भगवान महान कष्ट को दूरकर मनवांछित फल देते हैं। नागकन्या के इस वचन को सुनकर सुकन्या ने इस उत्तम व्रत को किया। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन महाराज के नेत्र पूर्ववत हो गए, उनका शरीर निरोग हो गया और सुकन्या के साथ लक्ष्मीनारायण के भांति सुख भोगने लगें। इस कथा को सुनकर द्रौपदी ने भी पवित्र मन से इस पर्व को विधि-विधान के अनुसार किया, जिसके परिणामस्वरूप महाराजा युधिष्ठिर के चिंता का निराकरण हो गया और उन्होंने अपने यहां पधारे अट्ठासी हजार मुनिओं का आतिथ्यं सत्कार किया। द्रौपदी के इस व्रत के प्रभाव से ही पाण्डवों को पुन: राजलक्ष्मी प्राप्त हुई। कहा भी गया है कि जो भी स्त्री इस पुनीत छठ व्रत को करेंगी उसके समस्त पाप नष्ट होकर सुकन्या की भांति पति सहित सुख पावेगी। इस घोर कलयुग में भी छठ पर्व की अपार महिमा है। इस महिमामयी एवं वरदायिनी छठ मैया के पर्व को सभी व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति या धर्म के क्यों न हो, सम्मान के नजरों से देखते हैं। अंत में मैं सारे विधन-बाधाओं एवं पापों का नाश करने वाले भगवान श्री सूर्य के श्री चरणों में उक्त दो पंक्तियों के साथ कोटि-कोटि नमन करते हुए छठ मईया के महिमा का इति श्री करता हूं:-

ऐहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पये।
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्ध्यं दिवाकर।।



छठ : लोक आस्था और सामाजिक समरसता का महापर्व



आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि व्यक्ति चाहे जहां रहे लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति मन के कोने में अपनी माटी के प्रति श्रद्धा जीवित रहती है। छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की उस गहरी चेतना का प्रतीक है जो मनुष्य को प्रकृति, समाज और आत्मिक शुद्धता से जोड़ती है। छठ अपनी जड़ों की ओर लौटने का एक अपरिहार्य आमंत्रण है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक चलने वाला यह चार दिवसीय महापर्व लोक आस्था का सबसे अनुपम उदाहरण है। सूर्य उपासना के इस महापर्व का धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताना-बाना इतना सुदृढ़ और व्यापक है कि यह आधुनिकता के दौर में भी अपनी प्राचीन परंपराओं, पवित्रता और सादगी को अक्षुण्ण बनाए हुए है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी भी प्रकार के आडंबर, मूर्ति पूजा या पुरोहितवाद की आवश्यकता नहीं होती। यह सीधे तौर पर जीव और प्रकृति के प्रत्यक्ष देवता, सूर्य नारायण के बीच का संवाद है। इस महापर्व का एक अत्यंत भावुक और मार्मिक पहलू प्रवास की वह पीड़ा है, जो रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में अपनी माटी से दूर गए लाखों लोगों के दिलों में कचोटती है। जैसे-जैसे कार्तिक का महीना नजदीक आता है, परदेस में बैठे हर व्यक्ति का मन अपने गांव के उन घाटों, मिट्टी के चूल्हों और ठेकुआ की महक के लिए व्याकुल हो उठता है। ट्रेनों में तिल रखने की जगह न होना, टिकटों के लिए महीनों पहले से होने वाली जद्दोजहद और घर पहुंचने की वह बेचैनी इस बात का प्रमाण है कि अपनी संस्कृति का खिंचाव कितना गहरा है। लेकिन जो लोग किन्हीं मजबूरियों, छुट्टियों की कमी या सात समंदर पार होने के कारण घर नहीं लौट पाते, उनके लिए यह समय गहरी टीस और एकाकीपन का होता है। परदेस की बंद चहारदीवारी या किसी अनजाने शहर की नदी के किनारे खड़े होकर जब वे अर्घ्य देते हैं तो उनकी आंखों में अपने गांव का वह दृश्य तैर जाता है जहां पूरा परिवार एक साथ जुटता था। लोक गीतों में भी इस प्रवास की पीड़ा को बखूबी पिरोया गया है, जहां एक मां परदेस गए अपने बेटे से छठ में घर आने की गुहार लगाती है। यह पर्व प्रवासी समाज को अपनी पहचान से जोड़े रखने का सबसे मजबूत पुल है, जो भौतिक रूप से दूर होने पर भी उन्हें मानसिक और आत्मिक रूप से अपनी मिट्टी से अलग नहीं होने देता। सनातन परंपरा में सूर्य को पंचदेवों में से एक माना गया है, जो प्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव के साथ-साथ उनकी शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी, जिन्हें लोक भाषा में छठी मैया कहा जाता है, की आराधना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री और देवसेना हैं जिन्हें प्रकृति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी देवी कहा गया है। वे बच्चों की रक्षा करने वाली और दीर्घायु प्रदान करने वाली देवी हैं। धार्मिक कथाओं में इसका संबंध रामायण और महाभारत काल से भी जोड़ा जाता है। माना जाता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर भगवान श्रीराम और माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की उपासना की थी। वहीं, महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा नदी में खड़े होकर सूर्य की पूजा करने और द्रौपदी द्वारा पांडवों के खोए हुए राजपाट को वापस पाने के लिए यह व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। वैज्ञानिक और धार्मिक दृष्टिकोण का यह संगम इस पर्व को अनुपम बनाता है, जहां ढलते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का आध्यात्मिक संदेश है कि जीवन में अवसान और उदय दोनों ही अपरिहार्य हैं और जो डूब रहा है उसका उदय होना भी निश्चित है। लोक संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति छठ पर्व के दौरान गाए जाने वाले पारंपरिक लोक गीत इसके सांस्कृतिक महत्व को और अधिक समृद्ध करते हैं। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए- जैसे कर्णप्रिय मधुर गीत उस सामूहिक श्रम, समर्पण और पवित्रता की कहानी कहते हैं जो इस व्रत का मूल आधार है। इन गीतों में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना और पक्षियों व जीवों के प्रति करुणा का भाव झलकता है। छठ में उपयोग होने वाली सामग्रियां पूरी तरह से स्थानीय, प्राकृतिक और मिट्टी से जुड़ी होती हैं। बांस के सूप, दौरे, मिट्टी के चूल्हे, गन्ना, ठेकुआ का प्रसाद, नारियल, नींबू और तरह-तरह के स्थानीय मौसमी फल इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति किस प्रकार प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की प्रेरणा देती है। इस दौरान पूरा माहौल अनोखी सुवास से भर जाता है, जिसमें पवित्रता और सादगी की महक होती है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि बिना किसी तामझाम और दिखावे के भी ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना की जा सकती है। सामाजिक समरसता और समाजवाद की जो तस्वीर छठ महापर्व में देखने को मिलती है, वह विश्व के किसी अन्य त्योहार में दुर्लभ है। यह पर्व जाति, वर्ग, अमीर और गरीब के बीच की सभी कृत्रिम दीवारों को पूरी तरह से ढहा देता है। घाट पर राजा और रंक एक साथ, एक ही मिट्टी पर बैठकर सूर्य देव की प्रार्थना करते हैं। जो सूप और दौरा एक संपन्न व्यक्ति के हाथ में होता है, वही सूप और दौरा एक निर्धन व्यक्ति के पास भी होता है। छठ पूजा के दौरान ऊंच-नीच का भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता। बांस का सूप बनाने वाले से लेकर, मिट्टी का चूल्हा बनाने वाले और फल बेचने वाले तक, समाज का हर हिस्सा इस महापर्व का एक अनिवार्य अंग बन जाता है। इसके अलावा, सामूहिक रूप से घाटों की सफाई करना, रास्तों को सजाना और अजनबियों की मदद करना इस पर्व के सामाजिक सरोकार को दर्शाता है। यह समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करता है। इस महापर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और स्वच्छता की कठोर नियमावली है। छठ पूजा में आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ बाह्य पर्यावरण की स्वच्छता पर अत्यधिक बल दिया जाता है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु, जिन्हें व्रती कहा जाता है, चार दिनों तक अत्यंत कठिन नियमों का पालन करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर, खरना, फिर डूबते सूर्य और उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक की यह यात्रा आत्म-अनुशासन की पराकाष्ठा है। बिना जल ग्रहण किए लगातार निर्जला उपवास रखना मानसिक और शारीरिक दृढ़ता को दर्शाता है। दूसरी ओर, इस पर्व के आगमन के साथ ही नदियों, तालाबों और जलस्रोतों की सफाई का जो व्यापक अभियान जनभागीदारी से चलता है, वह आज के समय में पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा संदेश है। पानी को देवता मानकर उसकी शुद्धता बनाए रखना और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करना यह साबित करता है कि हमारे पूर्वज पर्यावरण संतुलन के महत्व को कितनी अच्छी तरह समझते थे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में छठ महापर्व का महत्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुका है। रोजगार और शिक्षा के सिलसिले में देश-विदेश के विभिन्न कोनों में रहने वाले लोग इस पर्व के दौरान अपने गृह राज्य की ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे यह पर्व पारिवारिक पुनर्मिलन और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक महामाध्यम बन गया है। आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति यह अगाध श्रद्धा हर उस व्यक्ति के भीतर जीवित रहती है जो अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है।



प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**